सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 299 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 11 अगस्त 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

बलौदाबाजार-भाटापारा जिला अस्पताल को मिला राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक सर्टिफिकेट

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अस्पताल प्रबंधन को दी बधाई लगातार बेहतर हो रही सुविधाओं के लिए पुनः मिला सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाज़ार-भाटापारा। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाज़ार-भाटापारा जिला अस्पताल को एक बार पुनः राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र जारी हुआ है । छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अस्पताल को मिले इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। इस प्रमाण पत्र के लिए अस्पताल में दी जा रही सेवाओं का तीन दिवसीय परीक्षण राष्ट्रीय स्तर से आई जांच टीम ने किया था।

इस टीम में भुवनेश्वर से डॉ. सुब्रज्योति राव, लखनऊ से डॉ. रूपेंद्र कुमार और दिल्ली से ऋतु नायर सम्मिलित रहे जिन्होंने अस्पताल के 15 विभागों का बहुत ही बारीकी से निरीक्षण किया तथा मार्किंग की। परीक्षण के बाद अंतिम रूप से जिला अस्पताल उक्त मानकों पर खरा उतरा और प्रमाण पत्र जारी हुआ। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र जिसे एन. क्यू. ए. एस. भी कहा जाता है,अस्पतालों में दी जा रही सेवाओं की गुणवत्ता जाँचने की भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा शुरू की गई मूल्यांकन व्यवस्था है। किसी

संस्था को उक्त प्रमाण पत्र मिलना बेहतर होती सुविधा को प्रकट करता है।

जिला अस्पताल में इस एनक्यूएएस के अंतर्गत परीक्षण के लिए 15 विभागों जैसे- आईपीडी ओपीडी, आपातकाल, मैटरनिटी, लेबर, फार्मेसी, ब्लड बैंक, रेडियोलॉजी, लैब, ओटी, एसएनसीयू आदि के 8 क्षेत्रों की जांच की गई। इनमें सर्विस व्यवस्था मरीज के अधिकार, इनपुट, सपोर्ट सर्विस, क्लीनिकल सर्विस संक्रमण नियंत्रण तथा आउटकम जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

बलौदाबाजा-भाटापारा जिला अस्पताल को एनक्यूएएस के साथ-साथ लक्ष्य प्राप्ति का भी प्रमाण पत्र हासिल हुआ है जो मातृ और शिशु स्वास्थ्य हेतु निर्धारित है। सीएमएचओ के अनुसार निरीक्षण के लिए आई टीम ने अस्पताल के कुछ विभाग जैसे विशेष नवजात देखभाल इकाई (एसएनसीयू), पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) एवं आपातकालीन को सबसे अधिक सराहा है।गौरतलब है की जिला अस्पताल को इससे पूर्व भी इस हेतु यह प्रमाण पत्र मिल चुका है। नया प्रमाण पत्र यह प्रकट करता है कि यहां गुणवत्तापूर्ण सेवाओं में निरंतरता जारी है, जो कि यहां के चिकित्सकीय स्टाफ द्वारा की संभव हो पाया है।

खास-खबर

पांच कांस्य और एक रजत के साथ समाप्त हुआ भारत का ओलंपिक अभियान

नईदिल्ली (एजेंसी)। खेलों के महाकुंभ कहे जाने वाले ओलंपिक का रविवार आखिरी दिन है। समापन समारोह के साथ पेरिस में जारी ओलंपिक 2024 खत्म हो जाएगा। भारतीय खिलाड़ियों का ओलंपिक में सफर समाप्त हो चुका है। इस बार भारत ने कुल छह मेडल अपने नाम किए जिनमें पांच कांस्य और एक रजत पदक शामिल है।

26 जुलाई से शुरू हुए पेरिस ओलंपिक में भारत ने पहला पदक 28 जुलाई को महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में जीता था। स्टार निशानेबाज मनु भाकर ने तीसरे स्थान पर रहकर कांस्य पदक अपने नाम किया। इसके बाद 30 जुलाई को 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित स्पर्धा में मनु भाकर ने सरबजोत सिंह के साथ मिलकर कांस्य जीता। भारत को तीसरा पदक स्वप्निल कुसाले ने दिलाया। उन्होंने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में एक अगस्त को कांस्य पदक जीता। भारतीय पुरुष हॉकी टीम से पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने की काफी उम्मीद थी, स्वर्ण तो नहीं आया, लेकिन भारतीय टीम कांस्य पदक को बरकरार रखने में कामयाब रही है। इसके अलावा अमन सहरावत ने कुश्ती में कांस्य पदक जीता।

1.64 करोड़ रुपए की अनियमितता पर दुर्ग और रायपुर के तीन डिप्टी रजिस्ट्रार सस्पेंड

रायपुर। छत्तीसगढ़ में गलत पंजीयन करके 1 करोड़ 63 लाख 70 हजार 80 रुपए के राजस्व की नुकसान के आरोप में तीन डिप्टी रजिस्ट्रार को निलंबित कर दिया गया है। इनमें रायपुर की सीनियर डिप्टी रजिस्ट्रार मंजूषा मिश्रा, रायपुर के तत्कालीन डिप्टी रजिस्ट्रार सुशील देहारी व दुर्ग की तत्कालीन डिप्टी रजिस्ट्रार शशिकांत पात्रे शामिल हैं। वित्त मंत्री ओपी चौधरी के निर्देश पर वाणिज्य कर विभाग ने जांच में सबूत मिलने पर ये कार्रवाई की। रायपुर की अधिकारी मिश्रा पर आरोप हैं कि उन्होंने गाइडलाइन कंडीशन का पालन नहीं किया। उनके गलत मूल्यांकन से पंजीयन शुल्क में सरकार को 87 लाख 12 हजार 714 रुपए का नुकसान हुआ। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि भाजपा सरकार भ्रष्टाचार खत्म करने जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। जो भी भ्रष्टाचार करेगा उसके खिलाफ सख्त से सख्त कदम उठाए जाएंगे।

राष्ट्रपति मुर्मू को मिला तिमोर लेस्ते का सर्वोच्च नागरिक सम्मान, फिजी से भी की जा चुकी हैं सम्मानित

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इन दिनों तीन देशों की यात्रा पर हैं। वह अपने यात्रा के अंतिम चरण में तिमोर लेस्ते हैं। यहां उन्हें तिमोर लेस्ते देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया। इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि यह देश के लोगों के लिए गर्व का क्षण है क्योंकि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को तिमोर-लेस्ते के ग्रैंड कॉलर से सम्मानित किया गया, और कहा कि यह दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों और आपसी सम्मान को दर्शाता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को शनिवार को देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, तिमोर-लेस्ते के ग्रैंड कॉलर से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार सार्वजनिक सेवा में उनकी उपलब्धियों और शिक्षा और सामाजिक कल्याण और महिला सशक्तिकरण के प्रति समर्पण के लिए दिया गया है।

पीएम मोदी ने रविवार को एक्स पर पोस्ट किया, जिसमें जोर दिया गया कि यह पुरस्कार कई वर्षों तक सार्वजनिक जीवन में उनके स्मारकीय योगदान की मान्यता भी है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा कि राष्ट्रपति जी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ग्रैंड-कॉलर ऑफ द ऑर्डर ऑफ तिमोर-लेस्ते से सम्मानित होते देखना हमारे लिए गर्व का क्षण है। यह हमारे देशों के बीच मजबूत संबंधों और आपसी सम्मान को दर्शाता है। यह कई वर्षों से सार्वजनिक जीवन में उनके महत्वपूर्ण योगदान की मान्यता भी है।

पुरस्कार प्राप्त करने के बाद राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि यह सम्मान भारत और तिमोर-लेस्ते के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों का प्रतिबिंब है। राष्ट्रपति मुर्मू शनिवार को फिजी और न्यूजीलैंड की अपनी यात्रा समाप्त करने के बाद तिमोर-लेस्ते पहुंचीं। एक विशेष इशारे में, राष्ट्रपति जोस रामोस-होर्ता ने हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके अलावा, हवाई अड्डे से रास्ते में खुश बच्चों ने भी उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति ने कहा दिली में अपने तिमोर-लेस्ते समकक्ष के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की। जिसमें दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों को रेखांकित किया गया। दोनों नेताओं ने भारत और तिमोर लेस्ते के बीच द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर भी चर्चा की।

सीएम साय ने दी बधाई व शुभकामनाएं

माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी को तिमोर-लेस्ते देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रैंड कॉलर ऑफ द ऑर्डर ऑफ तिमोर-लेस्ते' से विभूषित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। यह 140 करोड़ भारतवासियों को गौरवान्वित करने वाला क्षण है। यह सम्मान दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों को दर्शाता है। 3 करोड़ छत्तीसगढ़वासियों की तरफसे आपको हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं, कोटि-कोटि अभिनंदन।

स्कूल में छात्रा से धुलवाए बर्तन, संकुल समन्वयक सहित दो शिक्षिकाएं निलंबित

मुख्यमंत्री साय ने कड़ी कार्रवाई के दिए थे निर्देश, बिलासपुर कलेक्टर ने जारी किया आदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। जिले के मटियारी स्कूल में छात्रा से बर्तन धुलवाने के मामले में सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। सीएम साय के निर्देश पर बिलासपुर कलेक्टर अविनाश शरण ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मटियारी के संकुल शैक्षिक समन्वयक हरनारायण सिंह गौतम प्राथमिक शाला मटियारी में पदस्थ शिक्षिका शारदा नारवानी एवं कुमारी मरियम बरवा को निलंबित करने का आदेश जारी कर दिया है। साथ ही स्कूल के स्वीपर लक्ष्मीनारायण सूर्यवंशी को सेवा से पृथक कर दिया है। यही नहीं प्राचार्य सहित पांच अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं को भी स्कूल से हटाने का निर्देश दिया है।

बता दें बीते दिनों प्राथमिक शाला मटियारी में स्कूली छात्रा से बर्तन धुलवाने का मामला सामने आया। प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने उपरोक्त घटना पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कलेक्टर को संबंधितों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री साय ने कहा है कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए शासन निरंतर प्रयास कर रही है तथा स्कूल में अकादमिक एवं अन्य गतिविधियों के सुचारू संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा उदासीनता बरते जाने पर संबंधितों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में शिकायत की जांच करने पर जवाबदार शिक्षक-शिक्षिकाओं पर कार्रवाई की गई।

कलेक्टर अविनाश शरण ने इस मामले में मटियारी हाई स्कूल के प्रभारी प्राचार्य लक्ष्मी नारायण साहू, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी बिल्हा सुनीता ध्रुव एवं विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक देवी चन्द्राकर को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया है। कलेक्टर ने इस मामले की प्राथमिक जांच के आधार पर मटियारी प्राथमिक शाला में पदस्थ प्रधान पाठक प्रताप सत्यर्थी एवं शिक्षिका स्नेह लता भारद्वाज, सुपर्णा टेंगवर, सरोज जायसवाल, शिक्षक रामलाल यादव, सोनू यादव को बिल्हा विकासखण्ड से अन्य विकासखण्डों में शिक्षकविहीन अथवा एकल शिक्षकीय शाला में अध्यापन कार्य हेतु पदस्थ करने के निर्देश संयुक्त संचालक लोक शिक्षा बिलासपुर को दिए हैं। साथ ही शासकीय प्राथमिक शाला मटियारी में अन्य शालाओं से छह शिक्षकों की व्यवस्था अध्यापन हेतु की गई है।

मौसमः छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग में पांच दिनों तक होगी जमकर बारिश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के अधिकांश जिलों में आज सुबह से ही बादल छाए हुए हैं। कई जगहों पर हल्की मध्यम बारिश हो रही है। वहीं राजधानी रायपुर में सुबह से ही बादल छाए हुए हैं। ठंडी हवाएं चल रही है। साथ ही बारिश की स्थिति बनी हुई है। वहीं रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और बस्तर संभाग में बारिश की गतिविधि में कमी आने की संभावना है। इसके साथ ही सरगुजा संभाग में अगले 5 दिनों तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग के अनुसार, रायपुर बिलासपुर दुर्ग और बस्तर संभाग में बारिश की गतिविधि में कमी आने की संभावना है। वही सरगुजा संभाग में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। आने वाले 5 दिनों तक सरगुजा संभाग के अधिकांश जगहों पर बारिश की गतिविधि जारी रहेगी इसके साथ ही एक दो जगह पर गलत चमक के साथ भारी से अति भारी बारिश हो सकती है। बीते दिनों लगातार बारिश से मौसम ठंडा हो चुका है। ठंडी हवाएं चल रही है और रायपुर में बारिश की स्थिति बनी हुई है।

राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2024 से अब तक राज्य में 753.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1698.3 मिमी और सरगुजा जिले में सबसे कम 373.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर जिले में 678.0 मिमी, बलरामपुर में 998.0 मिमी, जशपुर में 573.5 मिमी, कोरिया में 711.3 मिमी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 738.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी। इसी प्रकार, रायपुर जिले में 658.3 मिमी, बलौदाबाजार में 790.6 मिमी, गरियाबंद में 732.5 मिमी, महासमुंद में 545.2 मिमी, धमतरी में 705.3 मिमी, बिलासपुर में 691.0 मिमी, मुंगेली में 717.4 मिमी, रायगढ़ में 633.2 मिमी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 415.2 मिमी, जांजगीर-चांपा में 713.2 मिमी, सक्ती 607.9 कोरबा में 959.7 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 691.1 मिमी, दुर्ग में 484.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी। कबीरधाम जिले में 594.0 मिमी, राजनांदगांव में 797.8 मिमी, मोहला-मानपुर-अंबागढ़चौकी में 915.5 मिमी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 558.1 मिमी, बालोद में 835.2 मिमी, बेमेतरा में 433.7 मिमी, बस्तर में 838.1 मिमी, कोण्डागांव में 785.5 मिमी, कांकेर में 1005.1 मिमी, नारायणपुर में 914.2 मिमी, दंतेवाड़ा में 996.7 मिमी और सुकमा जिले में 1073.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है।

गॉडमैन, व्यभिचार और रेप की वारदातें

श्रीकंचनपथ

जिन लोगों ने अपने माता-पिता या दादा-दादी से धर्माचरण नहीं सीखा, वो किसी और से क्या ही सीखेंगे। धर्म एक जीवन पद्धति है जिसे सीखने की सबसे अच्छी व्यवस्था अपने परिवार के भीतर होती है। कौन-कौन से पर्व मनाने हैं, उनमें क्या-क्या करना है, यह सब व्यक्ति घर से ही सीखता है। पर इन दिनों सबकुछ फैशन की तरह हो गया है। प्रवचनकार धर्मगुरू बन गए हैं। लोग इनकी सभाओं में जाकर, इनके अनुयायियों में नाम लिखवाकर, इनके साथ फोटो खिंचवाकर आल्हादित हो रहे हैं। इन्हें भगवान का रूप मान रहे हैं और इन्हें खुश करने के लिए खुशी-खुशी अपना सर्वस्व अर्पित कर रहे हैं। ऐसी सैकड़ों घटनाएं सामने आ चुकी हैं। दर्जनों धर्मगुरुओं का पर्दाफाश हो चुका है। बावजूद इसके लिए अनुयायियों की यह भीड़ कम होने की बजाय बढ़ती ही जा रही है। अब तो यह एक स्टेटस सिम्बल बन गया है। लोग बड़ी-बड़ी संस्थाओं से जुड़कर अपना कद बड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे लोग अपने धर्मगुरू की सभी बातें मानते हैं। उनके अपराध को छिपाते हैं। जरूरत पड़ी तो उसे कानून के चंगुल से बचाने के लिए सड़कों पर उतर आते हैं। धर्मगुरू को बचाने का एक ऐसा ही मामला कानपुर में सामने आया है। एक 70 वर्षीय बाल बच्चेदार मौलाना ने यहां एक 8 साल की बच्ची से रेप की कोशिश की। जिस समय वह घर के भूतल पर यह घिनौनी हरकत कर रहा था, उस समय घर के पहले माले पर उसकी बेटी, बहू और पतोहू मौजूद थीं। मोहल्ले वाले खिड़की से मौलाना का वीडियो बना रहे थे। मोहल्ले वालों का कहना है कि मौलाना पहले भी बच्चियों को अपनी हवस का शिकार बना चुका है पर कभी किसी के पास कोई सबूत नहीं रहता था, इसलिए मौलाना बच जाता था। इसलिए इस बार उन्होंने पहले पक्का सबूत इकट्ठा करने की कोशिश की और फिर दरवाजा तोड़कर मौलाना को नग्न अवस्था में पकड़ा। इसके बाद मोहल्ले में पंचायत बैठाई गई। मौलाना किसी तरह चकमा देकर वहां से भाग खड़ा हुआ। इसके बाद मामला पुलिस को सौंपा गया। अफसोस इस बात का है कि 70 साल का जो व्यक्ति इंसान तक कहलाने के लायक नहीं था, वह मौलाना बनकर घूम रहा था। यह समझना होगा कि प्रत्येक चोले के पीछे एक हाड़मांस का शरीर है। आध्यात्म की राह इतनी आसान नहीं होती। आध्यात्मिक व्यक्ति भीड़ से दूर रहने की कोशिश करता है। उसे न तो किसी आडम्बर से कोई मतलब होता है और न ही उसे हजारों-लाखों चेले-चपाटे इकट्ठा करने की ख्वाहिश होती है। दरअसल, फर्जी गॉडमैन आध्यात्म और ईश शिक्षा की आड़ में लोगों को उल्लू बनाते हैं। हजारों की भीड़ इकट्ठा करते हैं, खुद करोड़ों में खेलते हैं और लोगों को सादगी सिखाते हैं। इस भीड़ का उपयोग वो अपने राजनीतिक आकाओं का अभीष्ट सिद्ध करने के लिए करने लगते हैं। भीतर से खोखला इंसान ही इनके पीछे दौड़ता है।

संपादकीय

व्यापक बने राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांतों का दायरा

सरकार से अपेक्षा की जाती है कि वह देश में राजनीतिक संतुलन बनाए रखने, आर्थिक हितों की रक्षा करने, क्षेत्रीय अखंडता की सुरक्षा सुनिश्चित करने, सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करने और घरेलू सुरक्षा वातावरण को सुधारने के लिए दृढ़ संकल्प प्रदर्शित करे। इसके साथ ही, सरकार को प्राकृतिक आपदाओं और मानव निर्मित संकटों से नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न उपाय अपनाने चाहिए। सक्षम राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांतों (एनएसडी) का उद्देश्य देश और नागरिकों की सुरक्षा को सुनिश्चित करना है। केसी पंत की अध्यक्षता वाली 'टास्क फोर्स' की सिफारिश पर, राष्ट्रीय सुरक्षा पर एक शीर्ष सलाहकार निकाय के रूप में 1998 में 'राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद' (एनएससी) का गठन किया गया था, जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते थे। जिसमें वित्त, रक्षा, गृह और विदेश मंत्री शामिल थे। हालांकि, एनएससी ने आज तक एनएसडी का लिखित दस्तावेजीकरण नहीं किया है, जिससे हितधारक अपना अधिदेश प्राप्त कर सकें और सामरिक महत्त्व की रणनीति तैयार कर सकें। एनएसडी अभी तक मुख्य रूप से राष्ट्रीय सुरक्षा योजनाओं तक ही सीमित रही है जिसमें अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्धों और सैन्य रणनीतियों तथा कूटनीति पर अधिक ध्यान केन्द्रित रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष श्याम सरन द्वारा 2015 में तैयार राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के मसौदे में दीर्घकालिक योजना और निर्णय लेने के लिए पांच प्रमुख क्षेत्रों, जिनमें घरेलू सुरक्षा, बाहरी सुरक्षा, सैन्य तैयारी, आर्थिक सुरक्षा और पारिस्थितिक सुरक्षा शामिल है, की पहचान की गई थी। यह तथ्य है कि कूटनीतिक मामलों और आर्थिक तथा पर्यावरण से जुड़े सुरक्षा के मुद्दों पर एक व्यापक राष्ट्रीय सहमति बन गई है, लेकिन घरेलू सुरक्षा की चिंताएं राजनीतिक बयानबाजी और चुनावी राजनीति के एजेंडे से ऊपर नहीं उठ पाई हैं।

"हालांकि, एनएससी ने आज तक एनएसडी का लिखित दस्तावेजीकरण नहीं किया है, जिससे हितधारक अपना अधिदेश प्राप्त कर सकें और सामरिक महत्त्व की रणनीति तैयार कर सकें।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि संवेदनशील रक्षा मामलों पर मतभेद आजकल राजनीतिक और सार्वजनिक विमर्श में खुले तौर पर उभरकर सामने आ रहे हैं। प्रतिस्पर्धी सामाजिक और राजनीतिक विचारधाराओं में समन्वय के आधार पर अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति, सैन्य-रुख और भू-राजनीतिक हितों के बीच संतुलन स्थापित करना एक सार्थक एनएसडी तैयार करने की कुंजी है। रूढ़िवादी मानसिकता वाले सुरक्षा विशेषज्ञ प्राय: तर्क देते हैं कि भारत जैसे बहुदलीय लोकतंत्र में सुरक्षा मामलों पर आम सहमति पर पहुंचना आसान नहीं होगा और न ही सार्वजनिक रूप से एनएसडी की बारीकियों पर चर्चा करना वांछनीय होगा। शायद यही कारण है कि नीति-निर्माता एक व्यापक एनएसडी नहीं बना पाए हैं और यह बन्द कमरे का मामला बनकर रह गया, जिस पर सत्ताधारी दल की विचारधारा का एकाधिकार होता है। भारत में एनएसडी पर चर्चा में आंतरिक सुरक्षा के मुद्दों पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता जितना दिया जाना चाहिए। भूमि और समुद्री मार्गों से आने वाले अवैध प्रवासी भारत में शांति और स्थिरता के लिए एक बड़ा ख़तरा है। सुरक्षा बलों द्वारा प्रभावी अवरोधन के बिना रोहिंग्या और बांग्लादेशी अवैध प्रवासी बड़ी संख्या में तलहटी और निचले हिमालयी क्षेत्रों में बस गए हैं। इन क्षेत्रों की जनसांख्यिकी कुछ दशकों में ही बहुत बदल गई है, जिससे घरेलू शांति और सामाजिक संतुलन के लिए गम्भीर ख़तरे पैदा हो गए हैं। चिंता की बात यह है कि इन अवैध प्रवासियों का कोई व्यवस्थित जायजा नहीं लिया जाता है और सुरक्षा एजेंसियों को उनकी संख्या और बसने के स्थानों के बारे में भी ज्ञान नहीं है।

भारत फ्रांस और इंग्लैंड जैसे यूरोपीय देशों से आने वाले शुरुआती चेतावनी संकेतों को नज़रअंदाज नहीं कर सकता है, वहां जनसंख्या नियंत्रण नीति के अभाव में उनकी जनसांख्यिकी में जिस प्रकार का बदलाव आ रहा है, उसमें मूल निवासी अपनी ही मातृभूमि में जातीय और सांस्कृतिक अल्पसंख्यक बनने की पीड़ा झेल रहे हैं। जनसांख्यिकीय मोर्चे पर असहजता और लाचारी के ऐसे संकेत भारत के कुछ हिस्सों में पहले से ही दिखाई दे रहे हैं। एक सुविचारित जनसंख्या नियंत्रण-नीति को अपनाकर जनसांख्यिकीय और सामाजिक-सांस्कृतिक यथास्थिति को बनाए रखना एनएसडी के समग्र परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिक हो गया है। पूरे देश में विशेषकर, उत्तर-पूर्व और उत्तरी और पश्चिमी भारत के सीमावर्ती राज्यों में, नशीली दवाओं का दुरुपयोग बड़े पैमाने पर हो रहा है। उचित और पर्याप्त नीतिगत हस्तक्षेप की कमी के कारण नशीली दवाओं की लत में फंसे बेरोजगार युवाओं ने पहले ही बहुप्रचारित 'जनसांख्यिकीय लाभांश' को बेअसर कर दिया है। कट्टरपंथी और अलगाववादी तत्व, जो धर्म की स्वतंत्रता की आड़ में वित्तीय प्रलोभन के आधार पर धर्मांतरण और धर्म की गलत व्याख्या करके लोगों को गुमराह कर रहे हैं।

छोटे किसान खाद्य सुरक्षा की सबसे बड़ी ताकत

वैश्विक खाद्य सुरक्षा के साथ पोषण भी काफी जरूरी है। कृषि अर्थशास्त्रियों के सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र का यह कहना बेहद अहम है। इसकी कई वजहें हैं। खाद्यान्न उत्पादन में भारत हमेशा से समृद्ध और सक्षम रहा है। आजादी के वक्त भले हमारी स्थिति कमजोर थी और खाद्य सुरक्षा चुनौती थी, मगर आज हम खाद्य अधिशेष देश हैं। दूध, दाल एवं कई मसालों का सबसे बड़ा व खाद्यान्न, फल-सब्जी, कपास, चीनी, चाय व मछली का दूसरा बड़ा उत्पादक हैं।

दरअसल, यह सबकुछ संभव हुआ है खेती में नई नीतियों का समायोजन करके। चूंकि भारत में छोटे किसान खाद्य सुरक्षा की सबसे बड़ी ताकत हैं इस नाते भारत वैश्विक हो रही खाद्यान्न समस्या को सही और समग्र तरीके से समझने वाला देश है औंर इसके निदान के लिए भारत के मॉडल कई देशों के काम आ सकते हैं।

देश की 70 फीसद से ज्यादा की आबादी खेती-किसानी करती है। भारतीय अर्थव्यवस्था को विस्तार और ताकत देने में खेती का बहुमूल्य योगदान है। साफ है कि कृषि हमारी आर्थिक नीतियों के केंद्र में है। जहां तक बात वैश्विक तौर पर खाद्य संकट को दूर करने की है तो भारत ने ऐसे कई उपाय तलाशे हैं, जिससे इस बड़ी समस्या को हल किया जा सकता है। इसमें प्राकृतिक खेती का चलन सबसे कारगर है। अच्छी बात है कि इसके परिणाम भी सुखद आ रहे हैं। स्वाभाविक है सरकार के लिए यह वाकई सुखकारी स्थिति है। यही वजह है कि इस बार के बजट में कृषि के सतत विकास पर बड़ा फोकस है। हां, चुनौती भी हमारे दरपेश है। क्योंकि जलवायु में हाहाकारी बदलाव ने कृषि के रंग-ढंग को बदल कर रख दिया है। इस नाते शोध की जरूरत आन पड़ी है। हालांकि हमारा जोर शोध व नवाचार पर है और जलवायु के अनुकूल फसल की 1900 प्रजातियां हमने दुनिया को दी हैं।

पानी की कमी या चावल उत्पादन में पानी की भारी जरूरत ने यह चर्चा भी तेज कर दी है कि हमें अब ऐसी फसल के उत्पादन पर सोच-समझकर फैसला लेना होगा, जहां पानी की ज्यादा जरूरत पड़ती है।

इन सबके बावजूद कृषि की हमारी प्राचीन मान्यताओं के दम पर हमें यह कहने में कतई गुरेज नहीं कि वैश्विक खाद्य संकट का निदान हम ही दे सकते हैं। पूरी दुनिया हमारी काबिलियत से वाकिफ है और यही हमारी ताकत भी है।

"सससे जल भराव, सैलाब और भूस्खलन होता है। पश्चिमी घाट के कई भागों में यही हो रहा है। टेरी (ऊर्जा एवं संसाधन संस्थान) ने महाराष्ट्र सरकार को सौंपी अपनी मौसमीय बदलाव रिपोर्ट-2012 में राज्य कार्य योजना सुझाई है। कोंकण संभाग में चरम बारिश की घटनाओं में वृद्धि और भविष्य में इनके बढ़ते जाने की आशंका जताई गई है। बारिश का ठीक यही मंजर देश के दक्षिणी भाग में देखा गया। सामान्यत: केरल में मानसून जून के पहले सप्ताह में दस्तक देता है और इसके बाद देश के बाकी हिस्सों में फैलता है।

मौसमी बदलाव से मुकाबले में सहायक वायनाड के सबक

सुरुचि भडवाल

हाल के वर्षों में देशभर में घटित आपदाओं का बदतर होता प्रभाव चिंताजनक है। वायनाड त्रासदी एक ऐसा चरम मामला है, जब धरती की सतह कुछ कारकों की वजह से बना दबाव नहीं झेल पाई। मसलन बुनियादी ढांचा विकास और अत्यधिक बारिश। लंबे समय से, विकास प्रक्रिया बनाते वक्त पर्यावरणीय संवेदनशीलता की अहमियत का ध्यान नहीं रखा जाता। लेकिन मौसम में आ चुका बदलाव अब एक हकीकत है। और समस्या की तीव्रता देश के अनेक हिस्सों में आफत का रूप धरकर टूट रही है। केरल में घटित आपदा का कारण चाहे चरम बारिश कहें या यथेष्ट प्रशासनिक व्यवस्था एवं पर्यावरणीय प्रबंधन का अभाव, अवश्य ही इसके जिम्मेवार सब मिलाकर हैं।

देश के दक्षिणी प्रायद्वीप के पश्चिमी और पूरबी घाट जैविक विविधता से काफी समृद्ध हैं और वे गुजरात से लेकर केरल तक और ओडिशा से लेकर तमिलनाडु तक फैली तटरेखा के प्राकृतिक रक्षक हैं। ये घाट, जो अनेक लुप्तप्राय वनस्पति और जीव-जंतु-पक्षियों का आशियाना भी हैं, यहां के पर्यावरण को नियंत्रित करते हैं।

इस पर्वतीय अंचल के संवेदनशील प्राकृतिक स्वरूप और इसे सुरक्षित रखने की जरूरत पर अनेकानेक खबरें छप चुकी हैं और विचार विमर्श हो चुके हैं। सरकारों ने इस संबंध में कमेटियां बनाईं। माधव गाडगिल और के. कस्तूरीरंगन रिपोर्ट ने पश्चिमी घाटों की पर्यावरणीय संवेदनशीलता के मद्देनज़र इस इलाके को संरक्षित करने की तगड़ी सिफारिशें की हैं, जैसे कि खनन पर और अधिक कड़ा नियंत्रण या पूर्ण रोक, औद्योगिक एवं कृषि गतिविधियां, आर्थिक कारणों से भवन निर्माण और भूमि उपयोग में बदलाव इत्यादि पर सख्त शिकंजा। संवेदनशील हिस्सों की पहचान की गई है। इनमें कहा गया कि कई अत्यंत संवेदनशील संभागों में अनेकानेक गतिविधियों पर रोक लगाई जाए। दोनों रिपोर्टों का निष्कर्ष था कि पश्चिमी घाट को हरसंभव तरीके से सुरक्षित बनाए रखने की जरूरत है। प्रस्तावित किया गया कि भूभाग के 50-70 फीसदी हिस्से को जैव-विविधता और सकल पर्यावरणीय नाजुकता के परिप्रेक्ष्य में पूर्णत: संरक्षित क्षेत्र बना दिया जाए।

पिछले सालों से महासागरों का औसत तापमान निरंतर बढ़ रहा है, इसकी वजह से जल और थल से वाष्पीकरण अधिक हो रहा है, नतीजतन अधिक गहरे बादल बनने लगे हैं, जिसके चलते बहुत भारी बरसात होती है। इससे जल भराव, सैलाब और भूस्खलन होता है। पश्चिमी घाट के कई भागों में यही हो रहा है। टेरी (ऊर्जा एवं संसाधन संस्थान) ने महाराष्ट्र सरकार को सौंपी अपनी मौसमीय बदलाव रिपोर्ट-2012 में राज्य कार्य योजना सुझाई है। कोंकण संभाग में चरम बारिश की घटनाओं में वृद्धि और भविष्य में इनके बढ़ते जाने की आशंका जताई गई है। बारिश का ठीक यही मंजर देश के दक्षिणी भाग में देखा गया। सामान्यत: केरल में मानसून जून के पहले सप्ताह में दस्तक देता है और इसके बाद देश के बाकी हिस्सों में फैलता है।

वायनाड त्रासदी कई कारकों के इकट्ठा होने का परिणाम है ङ्कअरब सागर में गहरे मेघ बनना, बादल फटना, मिट्टी की जल सोखन शक्ति संतृप्त होना, नाजुक भाग में अतिक्रमण एवं पर्यावरणीय क्षरण इत्यादि। बारिश का असामान्य और चरम होना- इस इलाके में एक ही दिन में 150 एमएम से अधिक बरसात दर्ज हुई। इस भारी बारिश का एक परिणाम भूस्खलन रहा।

भूस्खलन नतीजा है ढलान-बल में बढ़ोतरी और सतह को पकड़कर रखने वाले अवयवों की शक्ति कमजोर पड़ने का। यह चाल तब बनती है जब भूमि सतह को जकड़कर रखने वाले अवयवों की ताकत पर गुरुत्वाकर्षण बल भारी पड़ जाए। ऐसा होने पर, बारिश, बर्फ गिरने, जल सतह में बदलाव, जलधारा से हुआ कटाव, भूजल स्तर में बदलाव, भूकम्प, ज्वालामुखी कंपन या मानव निर्मित हिलजुल से ढलान का भाग धंस जाता है या नीचे की ओर बह निकलता है। भूस्खलन बनाने में मानवजनित गतिविधियों का योगदान खासा है, जो अक्सर तब होता है, जब निर्माण के दौरान ढलान की कटिंग यथेष्ट ढंग से न की जाए, जल निकासी प्रबंधन योजना का सही न होना या इसमें जुगाड़ वाला बदलाव करना या फिर पिछले भूस्खलनजनित कारक।

पश्चिमी घाट का लगभग 15 प्रतिशत हिस्सा भूस्खलन जोखिम वाला है। बेशक भौतिक कारकों को पूरी तरह खत्म नहीं किया जा सकता किंतु जोखिम को विस्तृत भूवैज्ञानिक जांच, गहन इंजीनियरिंग ज्ञान और भू-उपयोगिता प्रबंधन पर कड़े नियंत्रण के जरिए काफी कम किया जा सकता है। दुर्भाग्य से बुनियादी ढांचा योजना बनाते वक्त इन पहलुओं को अक्सर ध्यान में नहीं रखा जाता। इसके परिणाम में 300 से अधिक लोगों की जानें गईं और अनेक बाशिंदे अभी भी लापता हैं। जमीन-जायदाद का काफी स्तर पर नुकसान हुआ है और बहुत से लोग बेघर हुए हैं और मूलभूत सेवाओं तक पहुंच प्रभावित हुई है।

ज्यादातर मानव-जनित भूस्खलनों से बचा जा सकता है यदि निर्माण स्थल की गहन भूमि जांच और सिविल इंजीनियरिंग एवं नियामक मानकों का पूरी तरह पालन किया गया हो। जोखिम को प्रभावशाली रूप से कम करने के लिए भूस्खलन पैदा करने वाले प्राकृतिक एवं मानव जनित कारकों की पूरी तरह समझ होना जरूरी है। भले ही चेतावनी और राहत तंत्र भी स्थापित हो, लेकिन जैविकता को हुआ नुकसान फिर से नहीं भरा जा सकता। अतएव, इसके नतीजे होकर रहेंगे।

नुकसान की तीव्रता सीमित रखने के लिए प्राकृतिक तंत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करना मुख्य उपाय है। यह माना जाता है कि सरकार इस साल आपदा प्रबंधन कानून में संशोधन करना चाहती है और राज्यों में आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और डाटाबेस स्थापित होंगे। संचार का बेहतर तंत्र बनाने और जागरूकता फैलाने की जरूरत है। साथ ही, संवेदनशील स्थानों पर सामुदायिक पूर्वाभ्यास करके जानी नुकसान कम किया जा सकता है।

हमें आत्मविश्लेषण करने की जरूरत है और देखना चाहिए कि किन सुधारक उपायों से हम अपने पर्यावरण और लोगों को बचा सकते हैं।

लेखिका 'टेरी' में मौसम बदलाव एवं वायु गुणवत्ता विभाग में कार्यक्रम निदेशक के पद पर हैं।

राजनैतिक दलों का आत्मचिंतन

अजय दीक्षित

खबर है कि पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने देश के भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और वहां के उप मुख्यमंत्रियों से दो दिन तक मंथन किया । अब मीडिया में यह तो नहीं आया कि इस मंथन की विषय वस्तु क्या थी, परन्तु यह तो निश्चित ही है कि भाजपा के गिरते ग्राफ और कई राज्यों में मुख्यमंत्रियों की प्रति असंतोष पर गहन चर्चा हुई होगी । मीडिया में यह तो आया है कि उत्तर प्रदेश में केशव प्रसाद मौर्य व अन्य उप मुख्यमंत्रियों का योगी जी द्वारा आहूत बैठकों में भाग न लेने को अनुशासनहीनता माना गया है ।

मैं पहले लिख चुका हूं कि प्रोटोकॉल के अनुसार नड्डा जी को केशव प्रसाद मौर्य को समय देकर उनसे नहीं मिलना चाहिए था । पिछले कुछ दिनों से केशव प्रसाद मौर्य खुलेआम कह रहे हैं कि सरकार से बड़ा संगठन होता है । परन्तु भाजपा का शीर्षस्थ नेतृत्व अभी उत्तर प्रदेश में योगी जी को बदलने नहीं जा रहा है । प्रधानमंत्री तो कई बार कह चुके हैं कि यूपी योगी यानि %उपयोगी% । यह खबर भी काफी प्रचलित है कि योगी जी प्रधानमंत्री की कुर्सी की ओर देख रहे हैं । परन्तु 2029 के लोकसभा चुनाव में भी अभी मोदी जी ही चौथा टर्म करेंगे । योगी जी की बुलडोजर नीति घरेलू मामले में कामगार हो सकती है, परन्तु अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य के बारे में योगी जी की परीक्षा अभी हुई नहीं हैं । विश्व स्तर पर आज मोदी जी सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हैं । कई करोड़ से ज्यादा विदेशी भी मोदी जी के भक्त हैं । जिस तरह मोदी जी यूक्रेन और रूस तथा रूस और अमरीका के बीच भारत के संबंधों में बैलेंस बनाये हुये हैं, ऐसी डिप्लोमेसी शायद अभी किसी अन्य नेता के पास डिप्लोमेसी नहीं है ।

परन्तु भाजपा की तत्काल चिंता अपना वोट बैंक बढ़ाने की है । 400 पार और स्वयं के लिए 370 का नारा फेल हो गया और भाजपा 240 पर ही सिमट गई । वह स्वयं के 272 जीतकर भाजपा की सरकार नहीं बना पाई । आज गठबंधन की सरकार के प्रधानमंत्री मोदी जी हैं ।

असल में दूसरी पार्टी से लाये गये लोगों को तत्काल मंत्री बनाने से पुराने भाजपाई खुश नहीं हैं । मध्य प्रदेश में जिस प्रकार विजयपुर के विधायक रामनिवास रावत को पहले राज्य मंत्री और फिर पन्द्रह मिनट बाद कैबिनेट मंत्री बना दिया गया, इससे भाजपाई विधायक आहत हैं । फिर उन्हें मंत्रालय भी उनकी पसंद का दिया गया है । वे भी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं ।

परन्तु अभी तक उन्होंने सदस्यता से इस्तीफा नहीं दिया है और न ही विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने दल परिवर्तन के आधार पर उनकी सदस्यता रद्द की है । असल में महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में विधानसभा अध्यक्ष उसी पार्टी का होता है, अत- वह नियम की अपेक्षा पार्टी हित ज्यादा देखता है ।

आम आदमी पार्टी में स्वाति मालीवाल का प्रकरण भी खबरों में है । असल में कहते हैं, अरविन्द केजरीवाल उनसे राज्यसभा से इस्तीफा देने को कह रहे हैं ताकि मनु सिंघवी को राज्यसभा सदस्य बनाया जा सके । समाजवादी पार्टी में चाचा भतीजे में अन्दर कलह है । यूं बाहरी तौर पर वे इसे प्रकट नहीं करना चाहते । अब विधानसभा में कौन लीडर ऑफ अपोजिशन होगा, यह सपा तय नहीं कर पा रही है । कई राजनैतिक दल अपने अन्तर कलह से परेशान हैं । यह स्थिति देश हित में नहीं है । मोदी जी कहते हैं पार्टी से बड़ा देश है ।

भाजपा को चुनौतियों का सामना

अवधेश कुमार

भाजपा इस समय एक साथ जिन चुनौतियों का सामना कर रही है उनमें हमें विपक्षियों का आक्रमण शायद सबसे बड़ा दिखता होगा। किंतु विपक्ष का विरोध और तेवर उनके लिए अपेक्षित है तथा इसका मुकाबला करने में भाजपा को संकोच भी नहीं हो सकता।

आप अगर धरातल पर काम करते हैं या सोशल मीडिया पर दृष्टि है तो देखेंगे कि इस समय भाजपा को लेकर सबसे ज्यादा नाराजगी और निराशा उनके स्वयं के कार्यकर्ता, स्थानीय नेता और प्रतिबद्ध समर्थक प्रकट कर रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं, नेताओं और समर्थकों में ऐसे लोगों की संख्या छोटी-मोटी नहीं है जिनके विश्लेषणों, वक्तव्यों और व्यवहार में भावनाएं आबद्ध होतीं हैं।

भाजपा की यही सबसे बड़ी ताकत है तो इन्हें संभालना नेतृत्व के लिए वैसी ही चुनौती भी है। चुनाव में भाजपा के उम्मीद से कमजोर प्रदर्शन को देखते हुए अनुमान लगाया गया था कि ऐसे लोग अब शांत होंगे। ऐसा हुआ नहीं है।

आश्चर्य की बात है कि काफी पढ़े-लिखे और बड़े लोग भी इस समय विपक्ष की आलोचना या विरोध करने की जगह भाजपा नेतृत्व पर ही हमले कर रहे हैं। सरकारों में इनकी या इनके जैसे लोगों की व्यापक अनदेखी, उम्मीदवारों का उनकी कसौटी पर सही नहीं होना तथा केंद्र व प्रदेशों में उच्च पदों पर बैठे अनेक चेहरों तथा उनकी भूमिकाओं में इनकी शिकायतों को स्वीकार करने में समस्या नहीं है। किंतु इनमें ज्यादातर लोग हिन्दुत्व, हिन्दुत्व अभिमुख राष्ट्र भाव, आंतरिक एवं बाह्य सुरक्षा, धर्म, अध्यात्म, संस्कृति, इतिहास, सामाजिक न्याय आदि के आधार पर अपना विचार और व्यावहारिक निर्धारित करते हैं।

वास्तव में ये दोनों अलग-अलग पहलू हैं। साफ है कि भावावेश में इस सच को नजरअंदाज कर रहे हैं कि इन मामलों पर स्वतंत्रता के बाद किसी सरकार ने काम किया है तो वह नरेन्द्र मोदी सरकार ही है। स्वयं प्रधानमंत्री मोदी इस मायने में राजनीति में आज तक के सबसे प्रखर, मुखर और निर्णय लेने वाले नेता बन चुके हैं। 2019 में अमित शाह द्वारा गृह मंत्रालय संभालने तथा सरकार में दूसरे निर्णायक की भूमिका में आने के बाद हिन्दुत्व व भारतीयत्व के मामले में सरकार सोच और नीतियों में ज्यादा दृढ़ हुई है। यह तो संभव है कि जिस गति और परिमाण में समर्थकों का एक बड़ा समूह काम करने की अपेक्षा रखता था वह नहीं हुआ।

सत्ता और संगठन से जुड़े अनेक नेता भी विचारधारा की कसौटी पर खरा उतरने नहीं दिखे। किंतु राजनीति के दूसरे दलों और नेताओं से तुलना करें तो तस्वीर बिल्कुल स्पष्ट हो जाएगी। निस्संदेह, भाजपा को संगठन तथा सत्ता की सोच तथा आचार व व्यवहार में व्यापक संवेदनशील बदलाव की आवश्यकता है और यह आसानी से नहीं हो सकता। राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय ऐसी समितियां बनें जो स्थानीय कार्यकर्ताओं, नेताओं, समर्थकों से बातचीत कर तथ्य इकट्ठा करें और उनके अनुसार तात्कालिक और दूरगामी दृष्टि से जो कुछ चिंतन, व्यवहार और चेहरे के स्तर पर बदलाव होना चाहिए वह किया जाए। व्यक्तिगत बातचीत या सोशल मीडिया की बहस में शिक्षा, इतिहास, संस्कृति, कला, साहित्य, समाज विज्ञान आदि से जुड़ी संस्थाओं ने वाकई 10 वर्षो में ऐसे रेखांकित करने वाले काम नहीं किया जिसे वर्षो से चले आरोपित विकृत वामपंथी सिद्धांत, धारणाएं और नैरेटिव ध्वस्त हो सके।

सरकारी विभागों को तो छोड़िए इन संस्थानों, विविद्यालयों आदि के संरचनात्मक ढांचे में भी बदलाव नहीं हुआ। कुल मिलाकर इनकी प्रकृति से ऐसा लगता नहीं कि वाकई पुरानी सोच और व्यवहार वाली सत्ता बदल चुकी है। इससे सक्रिय बौद्धिक वर्ग और नैरेटिव की लड़ाई लड़ने वालों को धक्का पहुंचना बिल्कुल स्वाभाविक है। किंतु दूसरी ओर यह भी सच है मोदी सरकार ने भारत के दूरगामी भविष्य का ध्यान रखते हुए ऐसे कार्य किए जिनकी कल्पना पहले नहीं की गई थी।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति, नागरिकता संशोधन कानून, एक साथ तीन तलाक के विरु द्ध कानून, भाजपा की राज्य सरकारों द्वारा गो हत्या निषेध की कानूनी व्यवस्था, पाकिस्तान सीमा के अंदर कार्रवाई, भारतीय सभ्यता-संस्कृति के अनुरूप जी-20 और कई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन, विदेश यात्राओं में मोदी द्वारा भारतवंशियों के बीच संबोधन से भारतवंशियों में भारत, भारतीय सभ्यता-संस्कृति और हिन्दुत्व को लेकर गर्व का भाव पैदा करने, काशी तमिल संगम जैसे कार्य विचारधारा वाले कार्यकर्ताओं और नेताओं के लिए संतोष के विषय होने चाहिए।

यह कहना आसान है कि श्रीराम मंदिर का निर्माण तथा रामलला की प्राण प्रतिष्ठा तो उच्चतम न्यायालय के आदेश से संभव हो सका। क्या केंद्र में मोदी के नेतृत्व में सरकार नहीं होती तथा प्रदेश में भी भाजपा की जगह दूसरी सरकार होती तो मंदिर का निर्माण हो पाता? आज अमेरिका सहित विश्व के कई प्रमुख देश आरोप लगा रहे हैं कि भारत उनकी धरती पर हत्याएं करवा रहा है। भारत विरोधी आतंकवादी चुन-चुन कर मारे जा रहे हैं।

पाकिस्तान आरोप लगा रहा है कि भारत की एजेंसियां ही हत्या करवा रही है। यह कैसे हो रहा है क्यों हो रहा है इस पर प्रमाणित तथ्य देना कठिन है, किंतु पूर्व में तो कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था। अंतरराष्ट्रीय पटल पर भी एक ऐसे नए मुखर भारत का उदय हुआ है जो अपने राष्ट्रीय हित पर केंद्रित विचार से निर्णय करते समय यह नहीं सोचता कि कौन देश इससे नाराज होगा और कौन खुश। एक समय निर्गुट आंदोलन के नाम से अवश्य वैश्विक संगठन चला, लेकिन निर्गुटता का साकार रूप हमने मोदी सरकार के दौरान ही देखा है। आज भारत किसी के गुट में नहीं लेकिन किसी के विरुद्ध भी नहीं। 10 वर्षों में प्रधानमंत्री के अप्रोच और सरकार की भूमिका के कारण आज भारत ही नहीं विश्व भर के हिन्दू स्वयं को हिन्दू कहने, अपने त्योहार, प्रमुख दिवस मनाने में वैसे ही मुखर हैं जैसे दूसरे मजहब के लोग। यह ऐसा बदलाव है जिसको सही दिशा दी गई। इसी कारण दुनिया के अनेक शक्तिशाली सरकारी गैर सरकारी शक्तियां मोदी सरकार के विरुद्ध अभियान चलाकर सत्ता से बाहर करना चाहती है। इसलिए भाजपा और सरकार में चेहरे चरित्र और चाल में बदलाव के लिए आवश्यक आवाज उठे किंतु दूसरे पक्ष को ध्यान न रखेंगे तो परिणाम घातक होगा। फिर आप विरोधियों के एजेंडे और लक्ष्य को पूरा करने का काम करेंगे।

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of
Musical Instrument
Sales & Repair
DURG:-
Near Tarun Adlabs
Station Road, Durg (C.G.)
Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:-
Near Manju Mamta
Reaustaurant, M.G. Road
Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)
योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना
Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-
• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

भिलाई नगर विधायक देवेन्द्र यादव ने बीएसपी प्रबंधन पर लगाया पक्षपात पूर्ण कार्रवाई का आरोप

भिलाई। भिलाई नगर विधायक देवेन्द्र यादव ने बीएसपी प्रबंधन द्वारा की जा रही पक्षपातपूर्ण कार्यवाही को लेकर कलेक्टर को पत्र लिखा है। विधायक ने कलेक्टर से द्वेषपूर्ण भेजे गए नोटिस को खारिज किये जाने का अनुरोध किया है।

विधायक ने पत्र के माध्यम से कलेक्टर को अवगत कराया है कि कि भिलाई नगर विधानसभा क्षेत्रांतर्गत टाउनशिप में लगभग 32000 आवास एवं लगभग 15000 अधिकारी/कर्मचारी है। इनमें से मात्र 7000 अधिकारी/कर्मचारी/ सेवानिवृत्त टाउनशिप में निवासरत है। शेष अधिकारी/कर्मचारी रख-रखाव व सुविधाओं के अभाव में निजी कालोनियों में रह रहे है। प्रबंधन द्वारा जिन सेवानिवृत्त कर्मचारियों को रिटेंशन स्कीम के तहत आवास आबंटित किया गया है, उनमें से 90 फीसदी आवासों के रिक्त भूमि पर लोगों ने वर्षों पूर्व से ही अपने आवश्यकतानुसार निर्माण कर उपयोग कर रहे है।

जिसे बीएसपी प्रबंधन कथित रूप से अवैध निर्माण घोषित कर रही है। इसी के खिलाफ सेवानिवृत्त बीएसपी कर्मचारी एवं विधायक प्रतिनिधी राजेन्द्र कुमार परगनिहा आवाज उठाते रहते है। अब प्रबंधन पक्षपातपूर्ण कार्यवाही करते हुए उन्हें व्यक्तिगत रूप से नोटिस जारी कर निर्माण हटाने हेतु दबाव बनाया जा रहा है, जो कि उचित प्रतीत नहीं होता है।

जिले में अब तक 484.0 मिमी वर्षा

दुर्ग। जिले में 01 जून से 10 अगस्त तक 484.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 814.6 मिमी पाटन तहसील में तथा न्यूनतम 332.1 मिमी धमधा तहसील में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 402.0 मिमी, तहसील बोरी में 400.2 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 427.6 मिमी और तहसील अहिवारा में 527.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 10 अगस्त को तहसील बोरी में 3.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

स्टील मेल्टिंग शॉप-3 में विश्व स्तनपान दिवस का आयोजन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के पं. जवाहरलाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र तथा व्यवसायिक स्वास्थ्य सेवा केंद्र द्वारा 1 से 7 अगस्त 2024 तक 'विश्व ब्रेस्टफीडिंग सप्ताह 2024' मनाया गया। इसी कड़ी में भिलाई इस्पात संयंत्र के स्टील मेल्टिंग शॉप-3 (एसएमएस-3) में एक विशेष 'ब्रेस्टफीडिंग जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन 7 अगस्त 2024 को मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ कौशलेन्द्र ठाकुर के मुख्य आतिथ्य में किया गया। 'विश्व ब्रेस्टफीडिंग सप्ताह' का उद्देश्य सभी माताओं को स्तनपान की महत्ता के प्रति जागरूक कर ब्रेस्टफीडिंग को आसान बनाना है।

कार्यक्रम का आयोजन महाप्रबंधक प्रमोद कुमार के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर स्टील मेल्टिंग शॉप-3 के महाप्रबंधक टी बैठा तथा उमाशंकर परगनिहा, अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आर राम, डॉ संबिता पंडा, एसीएमओ डॉ कौशिक किशोर व सीनियर कंसल्टेंट डॉ माला चौधरी तथा एसएमएस-3 अधिकारी व कर्मचारीग उपस्थित थे।

स्वतंत्रता सप्ताहः हर घर तिरंगा अभियान, जोश और जज्बे के साथ प्रचार प्रसार में जुटी नगर निगम

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। स्वतंत्रता सप्ताह के तहत 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा कार्यक्रम के सफ्ल कियान्वयन के लिए राज्य शासन के आदेश एवं कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के दिशा निर्देश पर नगर पालिक निगम में हर घर तिरंगा मोटर साइकिल रैली का शुभारंभ आयुक्त लोकेश चन्द्राकर द्वारा किया गया। आजादी का अमृत महोत्सव हर घर तिरंगा' अभियान का आयोजन 09 अगस्त से 15 अगस्त तक शहर,प्रदेश एवं देशभर में होना है।

इस अभियान का उद्देश्य व्यक्तियों को प्रेरित करना है कि वे अपने आवासों पर गर्व से राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शित करें।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के नेतृत्व में स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली,शौएब अहमद,सूरज सारथी सहित निगम अमला व कर्मशाला टीम द्वारा मोटर साइकिल रैली निगम कार्यालय से पटेल चौक होते हुए स्टेशन रोड सहित अन्य जगहों तक वापस रैली निगम कार्यालय पहुँची।

इस अवसर पर आयुक्त लोकेश चन्द्राकर तिरंगा शपथ दिलाई। मैं शपथ लेता हूं कि मैं तिरंगा फ्हराऊंगा, हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और वीर सपूतों की भावना का सम्मान करूंगा और भारत के विकास और प्रगति के लिए खुद को समर्पित करूंगा।भारत माता की जय। उन्होंने इस राष्ट्रव्यापी अभियान में शहर के सभी नागरिकों से अपील की जाती है कि वे 9 अगस्त से 15 अगस्त तक अपने घरों,कार्यालयों आदि पर राष्ट्रीय ध्वज फ्हराकर हर घर तिरंगा अभियान के जश्न में शामिल हों।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने अमले के साथ हर घर तिरंगा अभियान के तहत जागरूकता रैली मोटरसाइकिल निकाली गई जिसमें जोर शोर से भारत मां के नारे लगाए गए।

यह अभियान नागरिकों के दिलों में देशभक्ति की भावना पैदा करने के साथ ही राष्ट्रीय ध्वज के प्रति जागरूकता बढ़ाने का काम भी करेगा। हर भारतवासी को अपने घर में तिरंगा फ्हराने के लिए अधिक से अधिक प्रोत्साहित करना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने यह भी कहा कि 9 से 14 अगस्त तक अपने घर पर तिरंगा जरूर फ्हराएं इस अवसर पर तिरंगा यात्रा हर घर तिरंगा अभियान का एक मुख्य भाग है।युवा और वृद्ध पुरुष और महिलाएं सभी तिरंगा यात्राओं में शामिल हो सकते है और राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान कर सकते है जिससे राष्ट्रीयता पर गर्व और एकता का अनुभव हो।आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत दिनांक 9 से 15 अगस्त, तक हर घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत सभी भारतीय नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज अपने घर पर फ्हराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है ताकि आमजन में देश भक्ति की भावना विकसित हो तथा राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान में भी वृद्धि हो।

साईकल रैली निकालकर हर घर तिरंगा लगाने किया प्रेरित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर निगम क्षेत्र में हर घर तिरंगा झण्डा लगाने की जागरूकता हेतु साईकल रैली निकाली गई। जन जागरूकता रैली जोन क्रमांक 01, 02 में निकाली गई, जिसमें सैंकड़ो लोग शामिल हुए। रैली की शुरूवात नेहरू नगर जोन कार्यालय से भाजपा अध्यक्ष एवं पार्षद महेश वर्मा, जोन आयुक्त येशा लहरे, सुशील चैधरी, भारत विकास परिषद के अनिल कुमार डागा, जितेन्द्र सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया।

उत्साह एवं जोश के साथ हाथों में तिरंगा झण्डा लिये छात्र-छात्राएं, खिलाड़ी, सामाजिक कार्यकर्ता, अधिकारी कर्मचारी बड़े ही स्वाभीमान के साथ चले जा रहे थे। भारत माता की जय, बन्दे मातरम की जय, कौन हमारी सबकी माता, भारत माता भारत माता, हर-हर गंगा, घर-घर तिरंगा का जयघोध करते हुए चले रहे थे। रास्ते में आने-जाने वालो से बहुत समर्थन मिल रहा था। आर्ट ऑफ लिविंग संस्था से गुलाब देशमुख, श्रीधर अग्रवाल एवं सदस्यगण गाड़ी से उतर कर झण्डा लेकर खुद को रैली में शामिल होने से नहीं रोक पाये। रैली वहां से निकलकर केपीएस चैंक, नेहरू नगर में भ्रमण करते हुए नेहरू नगर चैंक पर स्थित शहीद पार्क में समापन किया गया। वहां पर एमआईसी सदस्य संदीप निरंकारी एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा रैली में शामिल हुए सभी सदस्यो को तिरंगा शपथ दिलाया। ''मैं शपथ लेता हूँ कि मैं तिरंगा फ्हराउगां अपने स्वतंत्रता सेनानीयों और वीर सपूतो की भावना का सम्मान करूगां और भारत के विकास और प्रगति के लिए खुद को समर्पित करूगां।'' रैली में शामिल हुए सभी छात्र-छात्राओ को कॉपी, पेन एवं रबर पेसिंल निरंकारी द्वारा वितरण किया गया। रैली का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

रैली में प्रमुख रूप से शामिल हुए जोन के राजस्व अधिकारी मलखान सिंह सोरी, अनिल मेश्राम, जनसंपर्क अधिकारी अजय शुक्ला, राजेश पालवे, खेल एवं युवा कल्याण विभाग से प्रदीप भुवाल, स्पोर्टस शिक्षक विजय, जोन के स्वास्थ्य अधिकारी सुदामा परगनिया, हेमंत मांझी, भूतपूर्व कर्मचारी निर्मल शर्मा, प्रेमलाल साहू, शहरी अजीविका मिशन से मिशन मैनेजर अमन पटले एवं अन्य राष्ट्र भक्त सहभागी रहे।

श्री शंकराचार्य महाविद्यालय में अखंड भारत संकल्प दिवस पर विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। श्री शंकराचार्य महाविद्यालय जुनवानी भिलाई में अखंड भारत संकल्प दिवस के अवसर पर विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वनाथ बोगी इस्कॉन मंदिर के श्याम आनंद प्रभु, संस्कार शर्मा, विक्रांत मिश्रा एवं महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ अर्चना झा तथा महाविद्यालय के अकादमिक डीन डॉ जे दुर्गा प्रसाद उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत पौधा प्रदान करके किया गया।

मुख्य अतिथि विश्वनाथ बोगी ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को अखंड भारत के गरिमा में इतिहास के विषय में विस्तार से बताया वर्तमान समय में भारतीय मूल के व्यक्तियों द्वारा विश्व स्तर पर प्राप्त किए गए स्थानों की चर्चा की गई। ऋषि सुनक, सुंदर पिचाई, सत्यम नडेला, इंदिरा नुई, कमलाहेरीस, सुनीता विलियम्स अनेक लोगों की उपलब्धियां को बताया गया।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ अर्चना झा भारत के गौरवशाली इतिहास की ओर ध्यान आकर्षित किया युवाओं को आहवन किया कि वह भारत की इस गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाने में अपना बहुमूल्य योगदान दें। डॉ जे दुर्गा प्रसाद राव ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि युवाओं को अपनी उर्जा सही दिशा में प्रयोग करते हुए देश को गौरवांवित करने का प्रयास करना चाहिए। अखंड भारत संकल्प दिवस विभाजन विधि का स्मृति दिवस के अवसर पर विक्रांत मिश्रा ने अपनी संस्था विवेकानंद यूथ सर्किल की जानकारी दी और युवाओं से कहा कि भारत की एकता एवं अखंडता के लिए हमेशा प्रयासरत रहे।

कार्यक्रम का संचालन डॉ लक्ष्मी वर्मा के द्वारा किया गया तथा साथ ही कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम की अधिकारी डॉ शिल्पा कुलकर्णी, तथा अन्य प्राध्यापकगण डॉ जयश्री वाकणकर, डॉ. मालती साहू, डॉ सुषमा दुबे, डॉ सीमा द्विवेदी सुमिता सिंह, सुधा मिश्रा, राजलक्ष्मी, तनुश्री चक्रवर्ती पद्माश्री, गगन भनोट, रीमा सिंह का विशेष सहयोग कार्यक्रम में रहा।

बीएसपी में सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने के लिए छठवां लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन का सफल आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। संयंत्र के सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग द्वारा सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मानव संसाधन विकास केंद्र के मुख्य सभागार में लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन (एलजीआई) कार्यक्रम का सफ्ल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मुख्य महाप्रबंधक राकेश जोशी के मुख्य आतिथ्य एवं महाप्रबंधक प्रभारी संजय कुमार अग्रवाल के विशेष आतिथ्य में सम्पन्न किया गया। लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन कार्यक्रम में कुल 69 अधिकारियों ने भाग लिया था।

कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान, श्री राकेश जोशी ने घर से घर तक सुरक्षा नारे का उपयोग करते हुए दैनिक जीवन में सुरक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने सुरक्षा के प्रति ठेका

श्रमिकों की धरना को बेहरत बनाने के लिए सभी सुरक्षा मानकों ,टूल बॉक्स टॉक और सुरक्षा स्टैण्डर्ड के उचित कार्यान्वयन पर भी जोर दिया।

संजय कुमार अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में, लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के उत्साह के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने शून्य दुर्घटना के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी कर्मचारी की भागीदारी की आवश्यकता को भी रेखांकित किया। महाप्रबंधक जे तुलसीदासन तथा सहायक प्रबंधक अभिषेक सिंह ने सड़क सुरक्षा, टूल बॉक्स टॉक, नियर मिस की घटनाएँ, परमिट टू वर्क तथा क्कांसीक्केंस मैनेजमेंट के विषय पर सविस्तार चर्चा की। कार्यक्रम के आरम्भ में सभी उपस्थित अधिकारियों को वरिष्ठ प्रबंधक अजय टह्लू द्वारा सुरक्षा शपथ दिलाई गई। साथ ही कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी संबंधित विभागों को धन्यवाद दिया गया।

भिलाई स्टील प्लांट में सेलेबल और फिनिश्ड स्टील का रिकार्ड उत्पादन

■ **अप्रैल से जुलाई में अब तक का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन का दर्ज किया रिकार्ड**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने वर्तमान वित्त वर्ष 2024-25 के पहले चार महीनों अप्रैल से जुलाई 2024 तक की अवधि में उत्पादन के नए रिकॉर्ड बनाए हैं। संयंत्र ने 1.73 मिलियन टन का अब तक का सर्वश्रेष्ठ सेलेबल स्टील उत्पादन दर्ज कर, वित्त वर्ष 2023-24 की इसी अवधि में दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ उत्पादन 1.68 मिलियन टन को पार किया। अप्रैल से जुलाई अवधि में अब तक का सर्वश्रेष्ठ फिनिश्ड स्टील उत्पादन 1.56 मिलियन टन दर्ज किया गया, जो कि वित्त वर्ष 2023-24 की इसी अवधि में दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ उत्पादन 1.48 मिलियन टन से अधिक है।

भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा 1.71 मिलियन टन सेलेबल स्टील की लोडिंग तथा ग्राहकों को डायरेक्ट डिस्पैच करने हेतु 9.14 लाख टन की लोडिंग की गई जो कि स्थापना के बाद से किसी भी अप्रैल से जुलाई की अवधि के लिए सर्वश्रेष्ठ लोडिंग है। संयंत्र ने वित्तीय वर्ष 2023-24 की इसी अवधि में दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ 1.68 मिलियन टन सेलेबल स्टील लोडिंग और डायरेक्ट डिस्पैच लोडिंग 8.56 लाख टन को पीछे छोड़ा।

संयंत्र ने वर्तमान वित्त वर्ष की अप्रैल से जुलाई की अवधि में उत्पादन के अन्य क्षेत्रों में भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। 3.24 लाख टन लांग रेल उत्पादन कर वित्त वर्ष 2023-24 की इसी अवधि में दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ 3.07 लाख टन को पार किया। विश्व की सबसे लंबी रेल बनाने वाली यूनिवर्सल रेल मिल ने 2.62 लाख टन का उच्चतम लांग रेल उत्पादन दर्ज किया जो कि वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल से जुलाई अवधि में दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ 2.54 लाख टन से अधिक है। रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल ने भी सर्वश्रेष्ठ लांग रेल उत्पादन 63,152 टन दर्ज करते हुए, वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल से जुलाई अवधि में दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ उत्पादन 53,022 टन को पार किया।

संयंत्र ने अप्रैल से जुलाई अवधि में भारतीय रेलवे को प्रेषण हेतु अब तक की सर्वश्रेष्ठ लांग रेल लोडिंग 3.26 लाख टन दर्ज की, जो कि वित्त वर्ष 2023-24 की इसी अवधि में दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ लोडिंग 3.06 लाख टन से कहीं अधिक है। इस अवधि के दौरान भारतीय रेलवे को लांग रेल के कुल 110 रेक भेजे गए, जिसमें साबरमती वेल्डिंग प्लांट से भेजे गए 15 रेक भी शामिल हैं।

अप्रैल से जुलाई अवधि में अब तक का सर्वश्रेष्ठ फिनिश्ड प्लेट उत्पादन 4.29 लाख टन किया गया, जो कि वित्त वर्ष 2010-11 की इसी अवधि में दर्ज 4.23 लाख टन उत्पादन से अधिक है। बार एंड रॉड मिल ने भी अब तक का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन 3.25 लाख टन दर्ज करते हुए वित्त वर्ष 2023-24 के अप्रैल से जुलाई अवधि में दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ उत्पादन 2.95 लाख टन को पीछे छोड़ा। स्टील मेल्टिंग शॉप-3 ने वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल से जुलाई अवधि में दर्ज 7.32 लाख टन के पिछले सर्वश्रेष्ठ उत्पादन की तुलना में अब तक का सर्वश्रेष्ठ 7.80 लाख टन कास्ट बिलेट उत्पादन दर्ज किया।

टेक्नो-इकोनॉमिक्स के क्षेत्र में, संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेसों ने जुलाई 2024 में 144 किलोग्राम प्रति टन हॉट मेटल का सबसे अधिक कोल डस्ट इंजेक्शन दर दर्ज किया जो कि किसी भी महीने के लिए अब तक की सर्वश्रेष्ठ सीडीआई दर रही। ब्लास्ट फर्नेस ने अक्टूबर 2022 में 138 किलोग्राम प्रति टन हॉट मेटल का पिछला सर्वश्रेष्ठ सीडीआई दर दर्ज किया था।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

कलेक्टर ने हर घर तिरंगा कार्यक्रम तहत तिरंगा बाईक रैली को किया रवाना

गरियाबंद। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल ने आज हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत स्थानीय गांधी मैदान से तिरंगा बाईक रैली को रवाना किया।इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ रीता यादव,एसडीएम विशाल महाराणा उपस्थित थे।बाईक रैली में देशभक्ति का जज्बा लिए हाथों में तिरंगा झंडा लेकर उत्साह एवं उल्लास के साथ तिरंगा बाईक रैली शहर के विभिन्न चौक-चौराहों से गुजरी। तिरंगा हमारी आन-बान और शान है। तिरंगा का यह गौरव और सम्मान हर घर तक पहुंचे,इस संदेश के साथ बाईक रैली का यह तिरंगा रैली गांधी मैदान से शुरू होकर तिरंगा चौक,सिटी कोतवाली,शासकीय कॉलेज होते हुए इंडोर स्टेडियम में समाप्त हुआ।भारत माता की जय,वंदे मातरम,जय जवान-जय किसान,तिरंगा यात्रा जिंदाबाद के जयकारे की अनुगूंज दूर तक सुनाई दी। कलेक्टर अग्रवाल ने कहा कि तिरंगा हमारे राष्ट्र का प्रतीक है।भारतीय नागरिकों को अपने घर में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, ताकि राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान में वृद्धि हो। उन्होंने कहा कि आज इस तिरंगा बाईक रैली के माध्यम से तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया गया है।आजादी का अमृत महोत्सव अंतर्गत 9 अगस्त से 15 अगस्त 2024 तक आयोजित हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत जिले में विभिन्न आयोजन किए जाएंगे।उन्होंने सभी से आग्रह करते हुए कहा कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत 9 से 15 अगस्त तक स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के सम्मान में अपनी सहभागिता निभाएं।इस अवसर पर जिला अधिकारी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

बच्चों के लिए तिरंगा भोजन है पोषक तत्वों से भरपूर पौष्टिक भोजन

राजनांदगांव। जिले में गंभीर कुपोषित बच्चों को सुपोषण की श्रेणी में लाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा पोट्ठ लईका पहल कार्यक्रम के तहत युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा जनसहभागिता से संचालित इस अभियान में जनसामान्य को बच्चे के अच्छे स्वास्थ्य के लिए खान-पान, पौष्टिक आहार, स्वच्छता संबंधी व्यवहार, स्वास्थ्य के प्रति सजगता के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। बच्चे के स्वास्थ्य के प्रति माताओं एवं परिवारजनों में जागरूकता लाने से यह एक स्थायी समाधान होगा। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध विभिन्न फल, सब्जी, अनाज का उपयोग करते हुए बच्चों को सुपोषित बनाने के लिए कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में इस अभियान अंतर्गत जिले भर में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को पौष्टिक आहार दिया जा रहा है। कलेक्टर के नेतृत्व में तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरुचि सिंह के निर्देशन में इस अभियान के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम द्वारा बेहतरीन कार्य किया जा रहा है। जिसके तहत प्रत्येक शुक्रवार को आंगनबाड़ी केंद्रों में पालक चौपाल का आयोजन किया जाता है। हर घर तिरंगा कार्यक्रम अंतर्गत पालकों को विशेष तौर पर तिरंगा भोजन का महत्व बताया गया और जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में हर घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सभी ने हर घर तिरंगा की शपथ भी ली।

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में सभी अमृत सरोवर स्थलों में विशेष उत्सव कराया जाएगा

बालोद। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ संजय कन्नौजे ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिले के सभी अमृत सरोवरों के तट पर उल्लासपूर्वक तिरंगा फहराया जाएगा। स्थानीय स्तर पर उक्त स्थानों में विविधि प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। देश के 77 वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में राज्य शासन से निर्देश के अनुसार जिले के अमृत सरोवर के पास विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. कन्नौजे ने बताया कि आजादी का अमृत काल चल रहा है, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण योजना के तहत अमृत सरोवर का निर्माण किया गया है। ये अमृत सरोवर, पर्यावरण की स्थिरता, जलसंरक्षण और समूह विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है, इसलिये स्वतंत्रता दिवस जैसे ऐतिहासिक समारोह को मनाये जाने हेतु यह उपयुक्त स्थल है। वही जिले में अब तक 138 अमृत सरोवर का निर्माण किया गया है। बालोद 21, गुरूर 25, गुण्डरदेही 27, डौण्डी 35 एवं डौण्डीलोहारा 30 में अमृत सरोवर का निर्माण किया गया है।

प्रकृति-संस्कृति के साथ देश की रक्षा में भी आदिवासी समाज का योगदान अतुलनीय : भावना बोहरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। विश्व आदिवासी दिवस पर बुढ़ादेव राजगोंड समाज सेवा समिति द्वारा शनिवार को ग्राम महिडबरा में विश्व आदिवासी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने सभी को विश्वास आदिवासी दिवस की बधाई व शुभकामनाएं दी और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं प्रकृति के संरक्षण में आदिवासी समाज की अतुलनीय भूमिका के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर भावना बोहरा ने कहा कि प्रकृति और संस्कृति की रक्षा के साथ-साथ देश की रक्षा में भी आदिवासी समाज का योगदान अतुलनीय है। हमारे जल,जंगल और जमीन की सुरक्षा एवं पर्यावरण के प्रति आदिवासी समाज के अटूट प्रेम की वजह से ही आज हमारे प्राकृतिक धरोहरों की सुरक्षा सुनिश्चित हो रही है। प्रकृति के साथ-साथ हमारी धार्मिक परम्पराओं, आस्था के केन्द्रों, पौराणिक सभ्यताओं और आने वाली पीढ़ियों को भारत की गौरवशाली धरोहरों से अवगत कराने के लिए आदिवासी समाज के अथक परिश्रम तथा योगदान को हम सभी नमन करते हैं। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की वीरता और भगवान बूढ़ादेव की कृपा से आदिवासी समाज की ऐतिहासिक उपलब्धियों, स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भागीदारी तथा प्रकृति के प्रति उनकी आस्था से ही हमारे समृद्ध भारत की पुरातन संस्कृति जिवंत हो उठती है। भारत का अतीत, भारत का इतिहास, भारत का वर्तमान और भारत का भविष्य आदिवासी समाज के बिना पूरा नहीं होता। हमारी आजादी की लड़ाई का भी पग-पग, इतिहास का पन्ना-पन्ना आदिवासी समाज की वीरता से भरा पड़ा है।

उन्होंने आगे कहा कि आज छत्तीसगढ़ में आदिवासी समाज का हमारे सांस्कृतिक व पारंपरिक संस्कृति को सहेजने में बहुमूल्य योगदान है।वे देश की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के साथ ही प्राकृतिक धरोहर जल, जंगल और जमीन का संरक्षण करने का भी काम कर रहें हैं।

यहां की परम्पराएं, रीति-रिवाज और संस्कृति अपने आप में खास है।देश का ऐसा कोई कोना नहीं होगा हमारे छत्तीसगढ़ के हमारे आदिवासी भाइयों-बहनों के वैभव सम्पदा को नहीं जानता होगा।हमारे आदिवासी समाज की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता उनकी सामूहिक जीवन, सामूहिक उत्तर दायित्व और भावात्मक संबंध, जो नि:स्वार्थ भाव से एक दूसरे की सहायता करने और एकजुट होकर रहने की है।हमें गर्व है कि पुरे विश्व में भारत में सबसे आदिवासी समाज के लोग निवासरत हैं जो पौराणिक काल से ही हमारी सांस्कृतिक व प्राकृतिक धरोहर को सहेजने का अतुलनीय कार्य कर रहें हैं।

भावना बोहरा ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा सरकार आदिवासियों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य कर रही है।आदिवासी समाज के पास घर में बिजली हो, पक्का मकान हो, गैस का कनेक्शन हो, शौचालय हो, घर के पास चिकित्सा का केंद्र हो, कमाने के लिए आजीविका के साधन हो और बालकों के लिए पास में क्रीड़ास्?थल और स्कूल हो, गांव तक आने वाली सड़क हो, इसके लिए मोदी सरकार निरंतर अभियान चला रही है। आज इन अभियानों से उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आए हैं। आज हमारे छत्तीसगढ़ में भी आदिवासी समाज से आने वाले माननीय विष्णु देव साय प्रदेश के मुखिया के रूप में आदिवासी समाज के कल्याण हेतु कार्य कर रहें हैं। हमारे पंडरिया विधानसभा के अंतर्गत भी कुई-कुकदुर जैसे वनांचल क्षेत्र में निवासरत आदिवासी समुदाय को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए भी अथक प्रयास किये जा रहें हैं। पीएम जनमन योजना के माध्यम से लगभग 33 करोड़ की लागत से 16 डामरीकृत सड़कों के निर्माण को स्वीकृति मिली है। यह विकास कार्य हमारे जनजातीय समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का काम करेगी।

आज छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार द्वारा आदिवासी समाज के कल्याण हेतु इस साल के केन्द्रीय बजट में जनजाति उन्नत ग्राम अभियान योजना शामिल की गई है। इस योजना से राज्य के लगभग 85 विकासखंडों में शामिल गांवों को विभिन्न मूलभूत सुविधाएं मिलेगी। बस्तर के माओवादी आतंक से सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक तरफसुरक्षा कैंपों की सख्या बढ़ायी जा रही है। वहीं सुरक्षा कैंपों के आसपास 5 किलोमीटर के दायरे में आने वाले गांवों में केन्द्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए नियद् नेल्लानार जैसी नवाचारी योजनाओं की शुरूआत की गई है। आदिवासियों की आय में वृद्धि और उन्हें बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार तेजी से काम कर रही है। राज्य सरकार ने तेन्दूपत्ता पारिश्रमिक दर प्रतिमानक बोरा 4000 से बढ़ाकर 5500 रूपए कर दिया है। इससे लगभग 13 लाख जनजाति परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। आज हमारे देश व प्रदेश में निवासरत जनजातीय समुदाय विकास की मुख्यधारा से जुड़कर विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान दे रहा है। मैं आप सभी की इस सहभागिता और प्रकृति के संरक्षण व उसके प्रति प्रेम की भावना हेतु कृतज्ञता व्यक्त करती हूं।

इस अवसर पर उत्तम मसकोले, विदेशी राम धुर्वे, फगनु राम धुर्वे, सालीक राम मरावी, शेरसिंह पन्द्राम, विष्णु सिंह धुर्वे, मोहित मरावी, गणेश देवाम,रमेश मरावी, दीपा पप्पु धुर्वे, सुमीर पुषाम,सुंदर मरावी,कृपा राम धुर्वे,आनंद मरावी,रूपसिंग धुर्वे, भागसिंह मरावी,शोभित मरावी,तिहार सिंह मरावी, रामजी धुर्वे, सत्रुहन मरावी,जयसिंह धुर्वे,पंचराम सिन्द्राम, सुरेश मरकाम, भुवन धुर्वे,राजेश धुर्वे, श्याम सिंह परस्ते,तुलस पन्द्राम, राजकमल सिन्द्राम, पंचराम मरावी, नकुल सिंह परस्ते,तनगुराम अर्मो,बसंत वाटिया, जगतारन सिंह मरकाम, करताल सिंह धुर्वे,कबीर धुर्वे,फूलसिंह धुर्वे, वीरेंद्र धुर्वे, मोहन, तुलस धुर्वे सहित समस्त राजगोंड समाज एवं आदिवासी समाज भोरमदेव के सदस्यगण उपस्थित थे।

लक्ष्य और मुस्कान प्रोग्राम ने दिलाई जिला अस्पताल बेमेतरा को राष्ट्रीय पहचान

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। देश में बच्चों के स्वास्थ्य में दिये जाने वाली सुविधाओं के लिए स्वास्थ्य संस्थाओं को सर्टिफिकेशन करने वाली पहल है मुस्कान। तो वही सुरक्षित प्रसव हेतु प्रसव कक्ष गुणवत्ता सुधार पर पहल है लक्ष्य। बच्चों को गुणवत्तापूर्वक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में और प्रसव कक्ष गुणवत्ता सुधार पहल पर बेमेतरा जिला अस्पताल ने बड़ा मुकाम हासिल किया है।

जिला अस्पताल को द्य लक्ष्य और मुस्कान कार्यक्रम के बेहतर संचालन से राष्ट्रीय पहचान मिली है। नेशनल हेल्थ मिशन द्वारा इसके लिए की गई पहल मुस्कान,लक्ष्य के अंतर्गत इन्हें क्वालिटी सर्टिफिकेट दिया गया है। इसके लिए जिला अस्पताल बेमेतरा का चयन राष्ट्रीय स्तर पर किया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला अस्पताल के अस्पताल प्रमुख सलाहकार डॉ स्वाति यदु और शिशुरोग विभाग के एचओडी डा. दीपक निराला ने बताया कि मुस्कान में एसएनसीयू, पीडियाट्रिक ओपीडी, एनआरसी आदि देखा जाता है। इस दृष्टि से यह जिला अस्पताल में बेहतरीन सुविधाओं की वजह से और गुणवत्ता पूर्वक स्वास्थ्य सुविधा प्रसव कक्ष गुणवत्ता सुधार पहल कराने की वजह से लक्ष्य, मुस्कान क्वालिटी सर्टिफिकेट के लिए चुना गया है। सिविल सर्जन डा. संत राम चुरेंद्र ने बताया कि जिला अस्पताल बेमेतरा को इसमें 89 प्रतिशत स्कोर मिला है।

सीएमएचओ डॉ यशवंत कुमार ध्रुव ने बताया कि मुस्कान कार्यक्रम तहत क्वालिटी सर्टिफिकेशन के लिए पेशेंट की संतुष्टि बहुत जरूरी होती है। जिन बच्चों के अभिभावकों से बात की गई, उन्होंने इलाज के बारे में संतुष्टि जाहिर की।

कलेक्टर ने स्कूल और स्वास्थ्य केन्द्र का किया औचक निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल ने आज जिले के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का औचक निरीक्षण कर सुविधाओं की जानकारी ली। कलेक्टर अग्रवाल ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला नहरगांव एवं नागाबुड़ा में जाकर पढ़ाई सुविधाओं तथा छात्र-छात्राओं,शिक्षक-शिक्षिकाओं की उपस्थिति, स्कूल परिसर में बिजली,पेयजल, साफ-सफाई,शौचालय के बारे में जानकारी प्राप्त की।शिक्षक उपस्थिति रजिस्टर का अवलोकन किया साथ ही उन्होंने परिसर को साफ सुथरा रखने के निर्देश दिए तथा समय पर स्कूल खोलने कहा।उन्होंने सभी विद्यालयों में

शिक्षा व्यवस्था में गुणवत्ता लाने के लिए शिक्षकों को समय पर उपस्थित होकर अध्यापन कार्य करने हेतु निर्देशित किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री अग्रवाल आज स्कूल में शिक्षक की भूमिका में भी नजर आए।श्री अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं को गणित के जोड़ना,घटाना,सामन्य ज्ञान, अंग्रेजी,विज्ञान सहित अन्य विषयों के बारे में सवाल जवाब किये,इस पर विद्यार्थियों ने अपने परिचय के अलावा अन्य जानकारी अंग्रेजी में लिख सकें इसके लिये भी मार्गदर्शन दिए।कलेक्टर ने विद्यार्थियों से जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों के नाम तथा बच्चों को पढ़ लिखकर आगे किस फिल्ड में जाना चाहते है,उसकी जानकारी ली।इस पर कुछ बच्चों ने डॉक्टर ,इंजीनियर, पुलिस,शिक्षक,आर्मी में भर्ती होकर देश सेवा करने की बात कही।इस पर कलेक्टर ने कहा कि अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए स्कूल के अलावा घर पर भी कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है।प्रतिदिन अपने नॉलेज को बढ़ाने के लिए समाचार पत्र-पत्रिकाएं पढ़ने को कहा।

साथ ही उन्होंने बच्चों को मोबाईल का सदुपयोग करने व अनावश्यक मोबाईल नहीं देखने की शपथ दिलाई। कलेक्टर ने प्रत्येक कक्षा में बच्चों के ज्ञान के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए पाठ्यपुस्तकों के अलावा अन्य व्यवहारिक ज्ञान देने के लिए शिक्षकों को निर्देशित किया गया।शिक्षकों को पालक सम्पर्क कर विद्यालय में छात्रों की शत प्रतिशत उपस्थिति कराने हेतु पहल किये जाने हेतु जागरूक किया गया।

जनसमस्या निवारण पखवाड़ा : प्राप्त 589 में से 385 आवेदन शिविर में त्वरित निराकृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देशानुसार नगर पालिक निगम रायपुर के वार्डो में 27 जुलाई से 10 अगस्त तक जनसमस्या निवारण पखवाडा के अंतर्गत शिविरों का आयोजन प्रात: 10 बजे से 3 बजे तक लगाए जाने का सिलसिला जारी रहा । रायपुर नगर पालिक निगम के सभी 70 वार्डो में जनसमस्या निवारण पखवाडा अंतर्गत शिविर हेतु प्रात: 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक का समय निर्धारित किया गया था । प्रत्येक वार्ड में 1 शिविर लगाया गया एवं उसमें रायपुर नगर पालिक निगम सहित विभिन्न शासकीय विभागों के अधिकारीगण जनसमस्या सुनकर उसका यथासंभव त्वरित निराकरण करने निर्धारित समयावधि में उपस्थित रहे।

आज 14 वें दिन नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा जनसमस्या निवारण पखवाडा के अंतर्गत जनसुविधा हेतु शिविर जोन 4 के सदर बाजार स्वामी विवेकानंद वार्ड वार्ड के गंगाराम सामुदायिक भवन, जोन 8 के संत रविदास वार्ड के वार्ड पार्षद कार्यालय सरोना, जोन 9 के शहीद पण्डित विद्याचरण शुक्ल शहीद वार्ड के इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय जोरा के कम्युनिटी हाल में जनसमस्या निवारण पखवाड़ा के अंतर्गत शिविर लगाया गया।

जनसमस्या निराकरण पखवाड़ा शिविर में रायपुर के पूर्व सांसद और पूर्व महापौर सुनील सोनी, रायपुर जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष अशोक बजाज, सदर बाजार स्वामी विवेकानंद वार्ड की पार्षद डॉक्टर सीमा मुकेश कंदोई, राजेश सिंह ठाकुर, सामाजिक कार्यकर्त्ता डॉक्टर देवेन्द्र कुमार चंद्रवंशी, मुरली शर्मा, निगम अपर आयुक्त विनोद पाण्डेय, संबंधित जोन कमिश्नरगण एवं कार्यपालन अभियंतागण की उपस्थिति में शिविर में पहुंचे एवं रायपुर नगर पालिक निगम के विभिन्न विभागों सहित रायपुर जिला प्रशासन एवं छत्तीसगढ़ शासन के विभिन्न शासकीय विभागों के स्टालों की प्रशासनिक व्यवस्था का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के आदेशानुसार एवं उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव के निर्देशानुसार लगाए गए जनसमस्या निराकरण पखवाड़ा के आज 14 वें दिन नगर निगम के विभिन्न 3 वार्डो में लगाये गये शिविर में नागरिकों से कुल प्राप्त 589 आवेदनों में से 385 आवेदनों का शिविर स्थल पर ही तत्काल निराकरण कर दिया गया। शेष 204 मांगों के त्वरित निदान हेतु सम्बंधित विभागों को निर्देश दिए गये। रायपुर के पूर्व सांसद और पूर्व महापौर सुनील सोनी ने सभी नागरिकों से जनसमस्या निराकरण पखवाड़ा शिविर में आकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली छत्तीसगढ़ सरकार की सभी लोक कल्याणकारी योजनाओं का त्वरित लाभ प्राप्त करने का विनम्र आव्हान किया और शिविर में प्राप्त सभी जनशिकायतों का अगले एक माह के भीतर त्वरित समाधान करवाना सुनिश्चित करने का सुझाव नगर निगम के सम्बंधित अधिकारियों को दिया। आज लगाये गये भिन्न 3 वार्डो के जनसमस्या निवारण पखवाडा शिविर में पहुंचे नागरिको को आवेदन करने के मिनटो बाद तत्काल आय प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड प्रदत्त करने का सिलसिला निरंतर जारी रहा।

निरंतर आत्म सुधार के लिए स्वयं को प्रतिबद्ध करें : प्रियदर्शी विजयजी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विवेकानंद नगर स्थित संभवनाथ जैन मंदिर में आत्मोल्लास चातुर्मास 2024 की प्रवचन माला जारी है। शनिवार को रायपुर के कुलदीपक तपस्वी रत्न मुनिश्री प्रियदर्शी विजयजी म.सा. ने आज नेमिनाथ प्रभु के दीक्षा कल्याणक के दिन मुनिश्री ने परमात्मा के दीक्षा जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि परमात्मा ने संयम का स्वीकार करके अपने जीवन को साधनामय बना दिया। परमात्मा का साधना काल तीन स्टेज में बंटा हुआ था।

(1) आरोहण अर्थात पक्षी जिस तरह धरती से ऊपर आकाश में जाकर उड़ने का प्रयास करता है, इस तरह साधक को भी निम्न भूमिका से ऊपर उठकर गुणों की ऊंचाई को प्राप्त करना मोक्ष मार्ग के लिए जरूरी है। जो साधक होता है उसके लिए मात्र आत्मा का चिंतन आत्मा रमणता वह ज्यादा जरूरी है। संसार की फिज़ूल बातों में उसे मन नहीं लगाना चाहिए। परमात्मा अपने साधना काल में एकांत में रहकर मात्र आत्म तत्व का चिंतन करते थे। (2) विस्तरण अर्थात जिस तरह से पक्षी आकाश में ऊपर उठकर अपनी पंखों को विस्तृत करके अपने गंतव्य स्थल तक पहुंचता है इस तरह परमात्मा ने भी अपनी साधना एकदम विस्तार वाली बनाकर मोक्ष मार्ग को प्रशस्त किया। (3) निस्तारण अर्थात साधक अपनी मुक्ति की यात्रा के लिए अपने मन से एकदम प्रतिबद्ध होकर आगे बढ़ता है।

ओजस्वी प्रवचनकार मुनिश्री तीर्थप्रेम विजयजी म.सा.ने आज की प्रवचन माला में कहा कि 21वीं सदी है और हम ऐसा मान रहे कि विकास की सदी है लेकिन यह विकास के साथ-साथ वायरस की भी सदी है। यहां वायरस से मेरा अभिप्राय है कोरोना,स्वाइनफ्लू आदि नहीं बल्कि यह विचारों के वायरस की सदी है। हर एक बात में हम सवाल खड़ा करते हैं, अपने परंपरा और संस्कार आदि में प्रश्न पूछना खराब बात नहीं है लेकिन विनम्रता और निष्ठा के साथ किया गया सवाल हो तो ठीक है लेकिन कुटिलता से किया गया सवाल गलत है। मुनिश्री ने कहा कि कितने कितने जीवों की हत्या सिर्फ खाने के लिए होती है।

सैटिन आउटफिट पहन भोजपुरी क्वीन नेहा मलिक ने बढ़ाया इंटरनेट का तापमना, हॉट लुक देख मदहोश हुए फैंस

भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक आए दिन अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका बोल्ड लुक इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।

एक्ट्रेस नेहा मलिक हमेशा अपने बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें शेयर कर अक्सर सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही कहर बरपाने लगता है।

अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

नेहा मलिक ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान सैटिन ब्लू कलर का सिंपल गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो काफी ज्यादा ग्लैमरस नजर आ रही हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक पर अपना दिल हार जाते हैं। साथ ही लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए तारीफ करते नहीं थकते हैं।

इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देते हुए हॉट फोटोशूट करवाया है। नेहा मलिक ने अपने आउटलुक कंप्लीट करने के लिए बालों को ओपन किया है और साथ ही लाइट मेकअप कर के अपने लुक को निखारा है।

एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनका हर एक स्टाइल फैंस फॉलो करते हैं। नेहा मलिक के कई लुक ऐसे होते है जोकि लोगों के बीच ट्रेंड करता है।

बरसात के मौसम में होती है एलर्जी, तो ऐसे करें बचाव

भारत के कई इलाकों में भारी बारिश हो रही है. इस दौरान गर्मी से राहत तो मिल गई है. लेकिन इसमें भी कोई शक नहीं है बारिश अपने साथ कई सारी बीमारियां भी लाती है. बारिश के कारण सीजनल एलर्जी भी शुरू भी शुरू हो जाती है. बरसात के दिनों में छींक आना, आंखों में खुजली और कंजेशन की परेशानी होती है.

बरसात में होने वाली एलर्जी

कुछ लोगों में यह समस्या बेहद आम हो सकती है. कुछ लोगों में यह समस्या गंभीर हो सकती है और रोजमर्रा के काम में रुकावट हो सकती है. बरसात के मौसम में एलर्जी किसी को भी हो सकती है. इसके लिए आपको अपनी डाइट का खास ख्याल रखना चाहिए. सबसे जरूरी है कि आप अपनी डाइट का खास ख्याल रखें.

डाइट में ओमेगा 3 शामिल करें

किसी भी तरह के इंफेक्शन और एलर्जी से बचना है तो आपको अपने डाइट में ओमेगा-3 फैटी एसिड को डालना होगा. इससे इम्युनिटी मजबूत होती है. यह आपके इम्यून फंक्शन को मजबूत करता है. यह एलर्जी और इंफेक्शन से रोकने में भी मदद करती है. डाइट में सैल्मन, चिया सीड्स और अलसी और अखरोट होता है.

एंटीऑक्सीडेंट्स

बरसात के मौसम में इम्युनिटी बूस्ट करने के लिए एंटीऑक्सीडेंट्स लेना काफी अच्छा होता है. विटामिन सी एक अच्छा एंटाऑक्सीडेंट्स होता है. जो एलर्जी के खिलाफ लड़ता है. इसलिए मानसून में संतरा, शिमला मिर्च, ब्रोकली, कीवी और स्ट्रॅबेरी को डाइट में शामिल करें.

प्रोबायोटिक्स

प्रोबायोटिक्स भी एलर्जी से बचाने में मदद करती है. दही और किमची जैसे फर्मेंटेड फूड्स प्रोबायोटिक्स एलर्जी में मदद करते हैं. इन्हें डाइट में शामिल करना चाहिए. एलर्जी से बचने में मदद करता है.

मैग्नीशियम से भरपूर फूड आइटम खाएं

एलर्जी से बचने के लिए असेंशियल मिनरल्स काफी अच्छा होता है. मैग्नीशियम से भरपूर बादाम, कद्दू के बीज, पालक, डार्क चॉकलेट और एवाकैडो एंटीऑक्सीडेंट्स प्रोडक्शन का समर्थन करते हैं. इम्यून सेल्स फंक्शन को ठीक करता है.

एंटी-इंफ्लेमेशन

एंटी-इंफ्लेमेशन फूड आइटम्स से भरपूर फूड आइटम हल्दी, अदरक, हरी पत्तेदार सब्जियां, बेरीज और जैतून का तेल पॉलीफेनोल्स और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं. यह एलर्जी से दूर रखने में मदद करते हैं. इसलिए डाइट में हेल्दी गट माइक्रोबायोम होता है. यह इम्युनिटी को मजबूत रखने का काम करती है.

फैशन फॉलो करने के चक्कर में ना करें ये गलतियां...

फैशन के चक्कर में अक्सर लड़कियां कुछ ऐसी गलतियां कर बैठती हैं, जिससे उनका लुक खराब हो जाता है. भले ही वह फैशन आपको सही दिखे, लेकिन दूसरों के लिए आप हंसी का पात्र भी बन सकती हैं.बदलते समय के साथ साथ फैशन में भी कई बदलाव हुए हैं. आज के समय में हर लड़की फैशन के साथ चलना चाहती है और अपने लुक और स्टाइल के साथ किसी भी तरह का समझौता नहीं करना चाहती. फैशन के साथ चलना अच्छी बात है.

मगर आंखें बंदकर किसी भी चलन को आजमाना मुर्खता है.फैशन की राह पर चलते चलते अक्सर लड़कियां जाने-अनजाने में कुछ ऐसी गलतियां कर बैठती हैं, जिससे उनका लुक खराब दिखने लगता है. भले ही वह फैशन आपके समझ से सही दिख रहा हो, लेकिन दूसरों के लिए आप हंसी का पात्र भी बन सकती हैं, इसलिए फैशन से जुड़ी कुछ गलतियों पर गौर करना जरूरी है. आइये जानें कि किसी भी फैशन को अपनाने से पहले आपको किन किन बातों पर ध्यान रखना चाहिए.

जरूरत से ज्यादा बड़ा बैग

फैशन के इस दौर में भले ही ओवरसाइज बैग चलन में हो, मगर यह हर किसी पर नहीं फबता है. बड़े बैग में सामान अधिक आ जाता है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि यह आपके लुक को कैसा दिखाता है? बैग को कैरी करते हुए, पहले खुद को आईना में देखें, फिर जज करें कि क्या यह आपकी पर्सनैलिटी से मैच कर रहा है. अगर हां, तो आप उसे कैरी कर सकती हैं लेकिन ध्यान रखिए कि पार्टी वगैरह में इस तरह के बैग ले जाने से बचें.

हेवी ज्वेलरी

अब बात करते हैं हेवी ज्वेलरी की. अक्सर शादी या पार्टी में महिलाएं हेवी कपड़ों के साथ हेवी ज्वेलरी पहन लेती हैं. जो देखने में काफी खराब लगता है. अगर आप भी इस तरह की गलतियां करती हैं, तो इससे बचें. जरूरी है कि आप चेहरे के आकार के हिसाब से ही ज्वेलरी का चुनाव करें.

अगर आप हेवी वर्क वाले कपड़े पहन रही हैं, तो ज्यादा ज्वेलरी कैरी न करें. इसकी बजाय आप बिना नेकलेस बड़ी ईयररिंग्स पहन सकती हैं ये आपके लुक को काफी रौयल बनाता है. अपने चेहरे के आकार से बड़े ईयररिंग्स पहनने की कोशिश न करें, क्योंकि यह आपकी लुक को पूरी तरीके से खराब कर सकता है. इन सबके अलावा आप अपने बालों और मेकअप का भी ध्यान रखें, ताकि आप भीड़ में हंसी का पात्र न बनें. कोई भी स्टाइल चुनें, मगर हर चीज आपके चेहरे और बौडी को शूट करने वाला होना चाहिए.

फिटिंग के कपड़े

लड़कियों को फिटिंग के कपड़े पहनने अच्छे लगते हैं, लेकिन यह आपके लिए किसी सिरदर्दी से कम नहीं है. इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि इसको पहनकर आप सहज महसूस नहीं करती हैं और साथ ही यह देखने में भी काफी भद्दा लगता है. ऐसे में अगर आपका वजन ज्यादा है, तो यह और भी बुरा लगता है. लड़कियों को इस तरह की फैशन की गलतियों से बचना चाहिए.

फुटवियर

फुटवियर को लेकर भी हम अक्सर कुछ ना कुछ गलतियां कर बैठते हैं. कई बार हाई हिल्स का चुनाव आपके बौडी पर बुरा प्रभाव डाल सकता है, क्योंकि इससे न केवल आपके पैरों में दर्द की समस्या उत्पन्न हो सकती है, बल्कि आपके पीछे का हिस्सा भी बाहर निकलने लगता है. विशेषज्ञ भी हाई हिल्स पहनने के लिए मना करते हैं. अगर आपको बैलेंस बनाने नहीं आता है, तो इससे कमर दर्द की समस्या हो सकती है. इसलिए जितना हो सके हाई हिल्स पहनने से बचें.

एग फ्रीजिंग कैंसर रोगियों के लिए वरदान

चिकित्सा जगत की नई शोधों व निदान के तकनीकी तरीकों से कैंसर पीड़ित बचाए तो जा सकते हैं लेकिन इस प्रक्रिया में उन की प्रजनन क्षमता पर प्रतिकूल असर देखने को मिलते हैं. ऐसे में एग फ्रीजिंग एक प्रभावी तरीका है संतानोत्पत्ति का.

भारत में हर साल करीब 1.25 करोड़ लोग कैंसर से पीड़ित पाए जाते हैं. इन में 5,99,000 से अधिक महिलाएं होती हैं. आंकड़े दर्शाते हैं कि इन में से करीब 50 प्रतिशत कैंसर रोगियों की उम्र 50 वर्ष से कम होती है.युवा कैंसर रोगियों की इस तेजी से बढ़ती संख्या से उन की प्रजनन क्षमता को संरक्षित रखने को ले कर चिंता व्यक्त की जाने लगी है. अब तक तो किसी कैंसर पीड़ित को ले कर चिकित्सकों का मुख्य फोकस इस पर होता था कि कैंसर कोशिकाओं को हटा कर किसी तरह से मरीज की जान बचाई जाए. प्रजनन और बच्चे पैदा करने की क्षमता आदि के बारे में कम ही ध्यान दिया जाता था. परंतु, प्रौद्योगिकी में सुधार और चिकित्सा में प्रगति होने के साथ अब मरीज की जान बचाने के अलावा यह भी देखा जाने लगा है कि इलाज के बाद उस व्यक्ति को संतानोत्पत्ति योग्य भी बनाया जाए.

कैंसर रोगी अब अकसर बचा लिए जाते हैं और चिकित्सकीय प्रगति इस बीमारी पर भारी पड़ने लगी है. ऐसे में कैंसर से बचाए जा चुके लोग अब संतानोत्पत्ति और पारिवारिक जीवन के बारे में सोच सकते हैं.

कैंसर और बांझपन का खतरा

एक कैंसर रोगी के बांझपन का खतरा कैंसर के प्रकार और उसे दिए जा रहे विशेष उपचार पर निर्भर करता है. विभिन्न प्रकार के कैंसर और उन के उपचार, जैसे-कीमोथेरैपी, रेडिएशन थेरैपी, सर्जरी, टारगेटेड और जैविक (इम्यून) चिकित्सा, बोन मैरो या स्टेम सैल प्रत्यारोपण आदि गर्भधारण करने में रोगी की क्षमता को विभिन्न तरह से प्रभावित कर सकते हैं. ऊसाइट (प्रजनन में शामिल जर्म सैल) पर विषैले प्रभाव के कारण कीमोथेरैपी एक कैंसर रोगी की प्रजनन क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है.

रोगी की आयु, दवाओं की मात्रा और उन के प्रकार के आधार पर नुकसान का अंदाजा लगाया जा सकता है. कीमोथेरैपी में प्रयोग होने वाली मेथोट्रेक्जेट जैसे एंटीमेटाबोलाइट्स से बांझपन का कम खतरा होता है, जबकि साइक्लोफौस्फेमाइड जैसे एल्काइलेटिंग एजेंटों से यह खतरा बढ़ जाता है. रेडिएशन थेरैपी से बांझपन का खतरा बढ़ जाता है, लेकिन ओवरी ट्रांसपोजीशन जैसी विधियां सुरक्षित हैं, जिन में ओवरीज को सर्जरी के जरिए रेडिएशन वाले क्षेत्र से अस्थायी तौर पर हटा दिया जाता है. जोखिम को कम करने के लिए रेडिएशन शील्डिंग का प्रयोग किया जाता है. यदि प्रजनन अंग में कोई बदलाव न हुआ हो, तो कैंसर की सर्जरी में आमतौर पर बांझपन का खतरा कम ही रहता है.

स्तन कैंसर या अन्य किसी कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली हार्मोन थेरैपी एक महिला की बच्चे पैदा करने की क्षमता को प्रभावित कर सकती है. टेमहक्सीफैन लेने वाली महिलाएं गर्भवती हो सकती हैं, लेकिन इस से शिशु में जन्मजात दोष हो सकते हैं, इसलिए इसे लेते समय प्रभावी बर्थ कंट्रोल का उपयोग करने की सलाह दी जाती है. अन्य हार्मोन चिकित्साएं अंडे बनने की प्रक्रिया को पूरी तरह से रोक सकती हैं क्योंकि ऐसी महिला रोगी को एक तरह से अस्थायी रजोनिवृत्ति या मेनोपौज की स्थिति में रखा जाता है. कुछ नए उपचारों के बांझपन संबंधी जोखिम अस्पष्ट रहते हैं. यह सच है कि कई टारगेटेड उपचार एंजाइमों को रोकते हैं, लेकिन उन सभी एंजाइमों की प्रतिक्रिया के बारे में अधिक जानकारी नहीं है.

क्या होती है एग फ्रीजिंग

युवा कैंसर रोगियों के लिए एग फ्रीजिंग तकनीक किसी वरदान से कम नहीं है, विशेषकर उन के लिए जो विवाह योग्य हैं. यह एक सामान्य तथ्य है कि कीमोथेरैपी, रेडिएशन थेरैपी और सर्जरी आदि के दौरान कैंसर पीड़ित स्त्रियों के डिंब या एग्स नष्ट हो जाते हैं.

किताबें होती हैं मार्गदर्शक, इंसान का दिमाग रहता है एकाग्र

पढ़ने की आदत से इंसान का दिमाग सतत विचारशील व एकाग्र रहता है. ऐसे में किताबें पढ़ना बुद्धि, विवेक व तर्कशक्ति के लिए बेहद जरूरी है. ग्लोबलाइजेशन के इस युग में किताबें हम से दूर होती जा रही हैं. पहले ऐसा नहीं था. पुस्तकें हमारी संगीसाथी हुआ करती थीं और यह कहावत सिद्ध करती थी कि बेहतर जिंदगी का रास्ता किताबों से हो कर गुजरता है. यदि आप नियमित रूप से नहीं पढ़ते हैं तो हर दिन एक किताब के कुछ पन्नों को पढ़ना शुरू करें या फिर समाचार देखने के बजाय अखबार, पत्रिकाएं पढ़ें. जल्दी ही आप को एहसास हो जाएगा कि फिल्में देखने के बजाय किताबें पढ़ना क्यों अच्छा है.

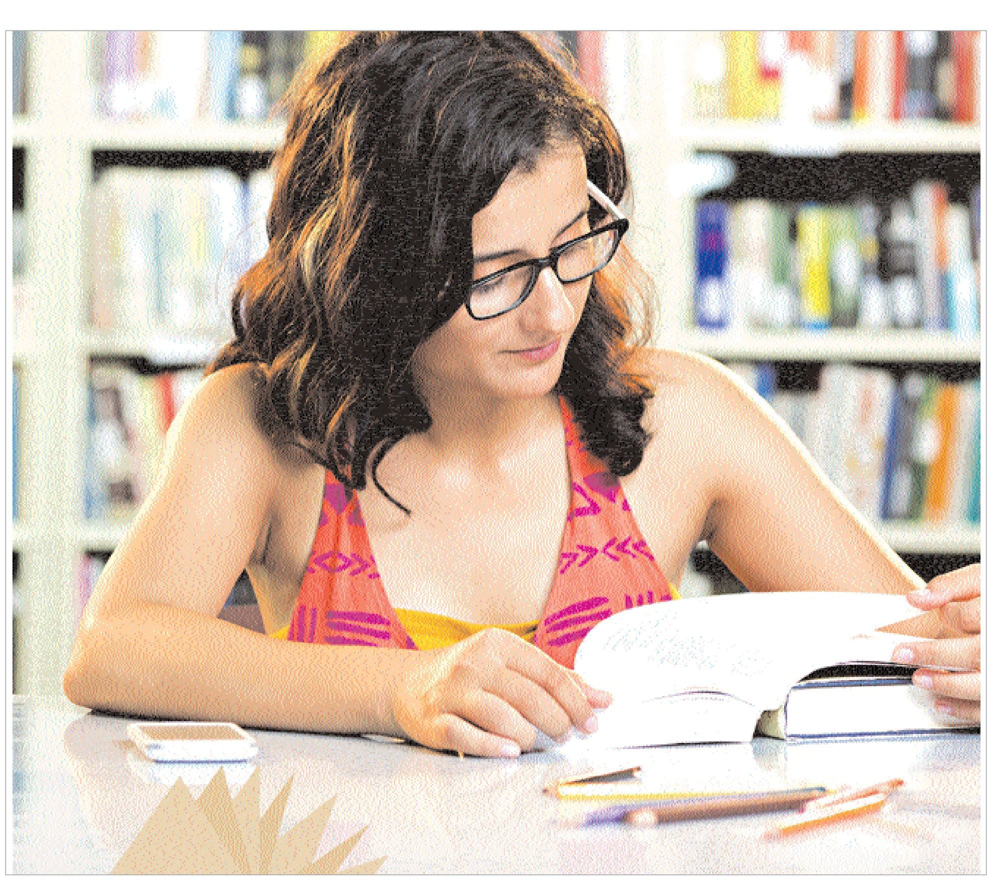

मस्तिष्क की कसरत

देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का पुस्तकों के बारे में कहना था कि जो पुस्तकें सब से अधिक सोचने को मजबूर करें वही उत्तम पुस्तकें हैं. पढ़ने की आदत से इंसान का दिमाग सतत विचारशील रहता है. इस से उस के सोचनेसमझने का दायरा व्यापक होता है. पुस्तक पढ़ने वाला व्यक्ति अकसर कोई गलत निर्णय नहीं लेता क्योंकि हर महत्त्वपूर्ण बात के अच्छे व बुरे पक्ष पर गहराई से विचार करना उस की आदत बन जाती है. उस का विवेक सदा क्रियाशील रहता है और विवेकवान व्यक्ति ही जीवन में सफल होते हैं. रूस में एक कहावत है कि जहां सौ प्रतिशत बुद्धि लगती हो वहां एक प्रतिशत कौमन सैंस से भी काम चल जाता है. यह कौमन सैंस सिर्फ पुस्तकें ही विकसित कर सकती हैं. टीवी देखने में काफी समय खर्च हो जाता है और बदले में ज्ञान के नाम पर कुछ खास प्राप्ति नहीं होती.

बढ़ती है एकाग्रता

पुस्तकें पढ़ते वक्त पाठक अकेला होता है और पढ़ने में पूरी तरह खोया रहता है. यही क्रिया एकाग्रता को बढ़ाती है. किसी भी काम में सफलता प्राप्त करने के लिए सब से ज्यादा जरूरी उस काम के प्रति एकाग्रता का अधिकतम होना अनिवार्य है. यदि मन इधरउधर भटका तो जैसी चाहते हैं वैसी सफलता नहीं मिल पाती.

मन की चंचलता पर कोई रोक नहीं लगा सकता लेकिन यह भी तथ्य है कि पुस्तकें पढ़ने से मन के इस चंचलपन पर कुछ हद तक रोक लगाई जा सकती है.

तेज होती है याददाश्त

याददाश्त का हमारे जीवन में निर्णायक महत्त्व है. हम इसी के बूते परीक्षा में पास होने से ले कर पूरे जीवन में पास होते हैं. सालों से याददाश्त बढ़ाने के विभिन्न नुस्खे बताए जाते रहे हैं. याददाश्त बढ़ाने के लिए कई दवाएं भी बाजार में उपलब्ध हैं, लेकिन इन सब से कारगर तरीका सिर्फ पुस्तकें पढ़ना है, जो नियमित हो. हम जब नियमित रूप से पढ़ते हैं तो हमारा दिलोदिमाग भी पूरा सक्रिय रहता है जिस से कोई बात भूलने की प्रवृत्ति कम होती जाती है. दिमाग जब हरदम सोचता रहता है तो उसे हर बात आसानी से याद आती जाती है. यदि पुस्तकें न पढ़ें, दिमाग सतत क्रियाशील न रहे, तो याददाश्त भी कुंद होने लगती है. परिणामस्वरूप हम छोटीछोटी बात भूलने लगते हैं, जिस से जीवन की कई उपलब्धियों से वंचित रह जाते हैं.

जवां रहता है दिमाग

इंगलैंड के एक विश्वविद्यालय के एक शोध के अनुसार, जो लोग पढ़ने तथा रचनात्मक गतिविधियों से जुड़े रहते हैं वे हरदम कुछ नया सोचते रहते हैं या करते रहते हैं. उन का दिमाग ऐसा न करने वाले लोगों की तुलना में 32 प्रतिशत तक अधिक युवा बना रहता है. लगातार पढ़ने की आदत से वे हमेशा अपडेटेड रहते हैं, चाहे मामला फैशन का ही क्यों न हो. वे हमेशा अव्वल रहते हैं. नईनई टैक्नोलौजी के इस्तेमाल में भी वे खासे उत्साह से भरे रहते हैं.

दूर होता है तनाव

इंगलैंड में हुए एक शोध के अनुसार, किताबें पढ़ने से तनाव के हार्मोंस यानी कार्टिसोल कम हो जाते हैं. तनाव के दौरान तरहतरह की निरर्थक बातें दिमाग में आती हैं. ऐसे में मन का शांत रहना लगभग असंभव हो जाता है. दिमाग में आने वाली निरर्थक बातों पर लगाम कसने का काम किताबें करती हैं.

खास खबर

केदारनाथ में पहाड़ गिरने से मची अफरा-तफरी, सहमे लोग

रुद्रप्रयाग (एजेंसी)। उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश से लोगों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। शनिवार को एक बार फिर रुद्रप्रयाग में केदारनाथ हाईवे के डोलिया देवी के पास पहाड़ टूटने की घटना सामने आई है। डोलिया देवी के पास पहाड़ टूटने से पहाड़ी से राजमार्ग पर पूरा पहाड़ भरभराकर गिर पड़ा। पहाड़ से बड़े बड़े बोल्डर और मलबा भारी मात्रा में आ कर सड़क पर गिर गया। जिससे सड़क मार्ग बाधित हो गया। दरअसल शुक्रवार देर रात केदारघाटी में जोरदार बारिश हुई। जिसके बाद शनिवार को मौसम के साफ होते ही पहाड़ टूटकर गिर गया। गनीमत रही कि जब पहाड़ टूटकर गिरा उस वक्त कोई सड़क से गुजर नहीं रहा था। जिसके कारण एक बड़ा हादसा होने से टल गया। रुद्रप्रयाग में केदारनाथ हाईवे पर पहाड़ के टूटकर गिरने के बाद अब सड़क को खोलने का काम किया जा रहा है। वहीं केदारनाथ धाम में भारी बारिश से हुए नुकसान के बाद लगातार काम जारी है। लेकिन लगातार हो रही भारी बारिश से काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पहाड़ों पर हो रही भारी बारिश से जहां पहाड़ पर भूस्खलन और पहाड़ गिरने से सड़कें बाधित हो रही हैं, वहीं भूस्खलन की चपेट में कई गांव आ रहे हैं। जिसके कारण यहां लोगों का जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। बीते 31 जुलाई को भी केदारनाथ धाम में बादल फटने की घटना हुई थी। जिसके चलते वहां भारी नुकसान हुआ था और पैदल यात्रा भी बंद करनी पड़ी थी। केदारनाथ पैदल मार्ग 29 जगहों पर क्षतिग्रस्त हुआ था। जिस पर लगातार काम चल रहा है। वहीं रुद्रप्रयाग एनएच भी क्षतिग्रस्त हुआ था उस पर भी काम जारी है।

आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट करे केंद्र सरकार : मायावती

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने केंद्र सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने और उपवर्गीकरण को लेकर दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ संसद में कानून लाकर अपनी स्थिति स्पष्ट करे। बसपा सुप्रीमो मायावती शनिवार को पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। उन्होंने कहा कि केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में अनुसूचित जाति और जनजाति से जुड़े इस बेहद महत्वपूर्ण मामले पर मजबूती से पैरवी नहीं की, नहीं तो इस तरह का निर्णय न होता। इसी सत्र में संविधान में संशोधन न लाकर सत्र को स्थगित करना केंद्र सरकार की सोची समझी साजिश है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला अब बना रहेगा। पीएम ने अभी तक अधिकृत तौर पर कोई आश्वासन भी नहीं दिया है। केंद्र की सरकार ने समय समय पर आरक्षण को खत्म करने की साजिश की है। आरक्षण से मिलने वाले लाभ और नौकरी में आरक्षण की व्यवस्था न करना बड़ी साजिश है। उन्होंने कहा कि देश के सभी एससी/एसटी वर्ग के सांसद, विधायक और अन्य पद पर बैठे लोगों को सजग रहने की जरूरत है। अगर ऐसा रहा तो आने वाले समय में आरक्षण को खत्म कर दिया जाएगा। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में भी आरक्षण की व्यवस्था हो। एससी/एसटी वर्ग के लोग न्यायालय में रहेंगे तभी इस वर्ग के लिए सही फैसला देंगे।

जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर साधा निशाना, बताया 'नकली देशभक्त'

राजकोट। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने शनिवार कांग्रेस पर देश को बांटने का आरोप लगाया और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी को 'नकली देशभक्त' बताते हुए कहा कि उन्हें देश के हितों से कोई लेना-देना नहीं है। भाजपा अध्यक्ष ने यहां तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाने के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का नाम लिए बगैर कहा, ये लोग भारत जोड़ो यात्रा के जरिये देश को तोड़ने में व्यस्त हैं। हम सब को देश को एकजुट करने की दिशा में सरदार वल्लभ भाई पटेल के अमूल्य योगदान को याद करना चाहिए। नड्डा ने कांग्रेस पर चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, राजगुरु और नेताजी सुभाष चंद्र बोस सहित अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को भुलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, मुझे दुख के साथ यह कहना पड़ रहा है कि आज कांग्रेस नेता केवड़िया में सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने नहीं गए।

भिलाई के इलेक्ट्रिक लोको शेड को मिला उच्च क्षमता वाले ट्विन लोको के मेंटेनेंस का जिम्मा

जीएम इटियेरा ने देखी व्यवस्था

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारतीय रेलवे में पहली बार इलेक्ट्रिक लोको शेड (ईएलएस) भिलाई को ट्विन लोको मिला है। ट्विन लोगों चितरंजन लोको वर्कशॉप से निर्मित है इस लोको का मेंटेनेंस भिलाई लोको शेड में होता है यह अन्य इलेक्ट्रिक लोगों से अत्यधिक क्षमता वाला लगभग दुगनी क्षमता का लोको है। दक्षिण पूर्व मध्य रेल की महाप्रबंधक नीनु इटियेरा ने शुक्रवार को ईएलएस का निरीक्षण किया और यहां की संपूर्ण व्यवस्था का अवलोकन किया।

जीएम श्रीमती इटियेरा ने इलेक्ट्रिक लोको के संचालन में उपयोग होने वाले कूलेंट ऑयल रबर इक्विपमेंट ग्रीस इत्यादि की जांच के लिए निर्मित धातु विज्ञान शाला का भी निरीक्षण किया। इसके वे पीपी यार्ड भी पहुंची और यहां की कार्यप्रणाली का भी निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक संजीव कुमार सहित बिलासपुर मुख्यालय के प्रधान विभागाध्यक्ष रायपुर रेल मंडल के वरिष्ठ अधिकारीगण एवं पर्यवेक्षक मौजूद रहे ।

बता दें भिलाई शेड द्वारा निर्मित ड्रॉप पीट का निरीक्षण किया ड्रॉप पीट में लोगों के नीचे हिस्से में लगने वाले पार्ट्स चक्का मोटर ट्रांसफार्मर को बदलने का कार्य किया जाता है जिससे ड्रॉप पीट में करने से समय एवं मेन पावर की बचत होती है। सेंटर ऑफ़एक्सीलेंस जहां इलेक्ट्रिक लोगों के उपयोग में होने वाले इलेक्ट्रॉनिक कार्ड पावर मॉड्यूल एवं विभिन्न प्रकार के सेंसरों का रिपेयरिंग किया जाता है जिससे रेल राजस्व की भी बचत होती है। जीएम इटियेरा ने पीपी यार्ड भिलाई में स्थित वैगन पार्क का निरीक्षण किया।

वैगन पार्क रायपुर रेल मंडल में आने वाले नए कर्मचारी अप्रेंटिसशिप क्रू-गार्ड की ट्रेनिंग के लिए निर्मित है। इसमें वैगन के कॉम्पोनेंट एवं कपलिंग और अनकपलिंग की प्रक्रिया के मॉडल प्रदर्शित किए गए हैं। सुरक्षा

की दृष्टि से महत्वपूर्ण ब्रेकिंग सिस्टम एवं सेंटर बफर कपलिंग सीबीसी के मॉडल भी रखे हैं जिसमें एयर ब्रेक के कन्वेंशनल एयर ब्रेक सिस्टम एवं बीएमबीएस बोगी माउंटेन ब्रेक सिस्टम के माडल को देखा एवं बोगी शॉप में एयर ब्रेक सिस्टम की जानकारी ली एयर ब्रेक सिस्टम में न ब्रेक सिस्टम एवं एस्कॉर्ट बीएमबीएस सिस्टम में हो रहे बदलाव मोडिफिक्रेशन का निरीक्षण किया एवं जानकारी ली।

पीपी यार्ड में व्हील शॉप का निरीक्षण किया जहां पर वैगंन के व्हील एवं उनके फैलियर होने के कारण बॉक्सएन वैगन के डोर के प्रॉपर ओपनिंग क्लोजिंग को देखा। यार्ड में निरीक्षण की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इलेक्ट्रिक लोको शेड में ट्रेक्शन मोटर रोउटर ग्रॉउलर टेस्ट संबंधित टेस्टों को देखा इलेक्ट्रिक लोको में लगने वाले होटल लोड कन्वर्टर जो ट्रेन के कोच को पावर सप्लाई करने में उपयोग होते हैं उसकी जांच की प्रक्रिया का अवलोकन किया।

पी पी यार्ड एवं इलेक्ट्रिक लोको शेड- भिलाई में महिला कर्मियों के साथ उनके तकनीकी कार्यों की जानकारी ली यह महिलाएं वेल्डर टर्नर मशीनिस्ट शाहिद सभी तकनीकी कार्यों को परिश्रम के साथ करती हैं महिलाओं को कार्यस्थल पर आने वाली परेशानियां उनको प्रदान की जाने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। महाप्रबंधक महोदय ने इलेक्ट्रिक लोको शेड में महिला कक्ष की सौगात महिला रेल कर्मियों को दी। पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण भी किया। रायपुर रेल मंडल के पी पी यार्ड एवं इलेक्ट्रिक लोको शेड- भिलाई अधिकारियों के साथ विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने केरल के वायनाड में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी ने त्रासदी का जायजा लेने के लिए केरल के वायनाड में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया है। इस मोके पर उनके साथ मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन भी मौजूद रहे। यह आपदा 30 जुलाई को आई थी, जिसमें 416 लोगों की मौत हो गई है और 150 से अधिक लोग लापता हैं।वायनाड में मोदी अस्पतालों और कुछ राहत शिविरों में मरीजों से मिलेंगे, जहां भूस्खलन से प्रभावित 10,700 से अधिक लोग ठहरे हुए हैं।

इसके बाद मोदी एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में आरिफ मोहम्मद खान, विजयन और अन्य अधिकारी भाग लेंगे। फिर दोपहर करीब 3.30 बजे कन्नूर हवाई अड्डे लौटेंगे और फिर नई दिल्ली वापस आ जाएंगे।

पीएम मोदी के दौरे से पहले बचाव और राहत अभियान के लिए एनडीआरएफ, सेना, वायु सेना, नौसेना, अग्निशमन सेवा, नागरिक सुरक्षा आदि के 1,200 से अधिक बचावकर्मियों को वायनाड में तैनात किया गया था। चिकित्सा सहायता और उपचार के

लिए डॉक्टरों और अन्य चिकित्सा कर्मचारियों के साथ 100 से अधिक एम्बुलेंस तैनात की गई हैं। भारतीय सेना ने वायनाड में 190 फुट लंबा बेली ब्रिज बनाया, जो भारी मशीनरी और एम्बुलेंस की आवाजाही के लिए महत्वपूर्ण है। इस पुल का निर्माण मात्र 71 घंटों में पूरा कर लिया गया, जिससे भारी वाहनों और मशीनरी को बचाव कार्य में काफी मदद मिली और करीब 200 लोगों को बचाया जा सका।

इसके अलावा, केंद्र सरकार ने राज्य के प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के लिए एक समिति का गठन किया है। यह दल पिछले दो दिनों से वायनाड में है और शनिवार को अपना दौरा पूरा करेगा।

डिजिटल एमएसएमई यात्राः नैनो, सूक्ष्म, छोटे और मध्यम उद्यमियों के लिए डिजिटल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सूक्ष्म, छोटे और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और विकसित भारत 2047 की हमारी सोच में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। एमएसएमई हमारे देश की आर्थिक वृद्धि, निर्यात और रोजगार में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। एमएसएमई मंत्रालय के अनुसार, ये उद्यम भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 30 प्रतिशत, निर्यात का 48प्रतिशत, और लगभग 110 मिलियन लोगों को रोजगार प्रदान करते हैं।

सरकार नियामक समर्थन और योजनाओं के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, और जमीनी स्तर पर जन जागरूकता बढ़ाने से एमएसएमई के बीच उत्साह को और बढ़ावा मिलेगा।पियूष एक उद्योग विशेषज्ञ और वैश्विक सलाहकार हैं, जिनके पास वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक), समावेशन और एमएसएमई क्षेत्रों में 16 से अधिक वर्षों का अनुभव है। वह विश्व स्तर पर नैनो और एमएसएमई की वृद्धि के लिए काम कर रहे हैं और दृढ़ता से मानते हैं कि प्रौद्योगिकियों का अभिनव उपयोग एमएसएमई की व्यावसायिक वृद्धि और कौशल विकास में महत्वपूर्ण सुधार कर सकता है।इस यात्रा के दौरान, पियूष दिल्ली, नोएडा और गुरुग्राम में सेवाओं, विनिर्माण, व्यापार, थोक और खुदरा सेक्टर में नैनो, सूक्ष्म, छोटे और मध्यम उद्यमियों से मिल रहे हैं। सड़क विक्रेताओं से लेकर 250 करोड़ रुपये तक के टर्नओवर वाले उद्यमों तक, पियूष एमएसएमई के तहत परिभाषित पूरे स्पेक्ट्रम को कवर करने का लक्ष्य रखते हैं।डिजिटल एमएसएमई यात्रा तीन प्रमुख उद्देश्यों को प्राप्त करने का लक्ष्य रखती है। पहला, यह एमएसएमई के बीच वर्तमान डिजिटल जागरूकता स्तर को समझने और उनकी डिजिटलाइजेशन यात्रा में आने वाली चुनौतियों की पहचान। दूसरा, यह उद्योग संघों और विशेषज्ञों के साथ जुड़ने, एमएसएमई के चुनौतियां को साझा करने, इन दृष्टिकोणों को व्यापक रूप से फैलाने का लक्ष्य रखती है। तीसरा, यात्रा का उद्देश्य एमएसएमई के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देने और समर्थन देने वाली सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, जिससे इन उद्यमों को उपलब्ध संसाधनों और विकास के अवसरों का लाभ उठाने में मदद मिल सके।पियूष कुछ जमीनी चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए कहते हैं, कई लोग सरकारी योजनाओं को काफी समय लगने वाला मानते हैं, जिससे आवेदन दरें कम होती हैं, हालाँकि सरकार ने इसके लिए काफी डिजिटल विकल्प दिए हैं । इसके अलावा, कई लोग इन योजनाओं से अनजान हैं। डिजिटल समाधानों के लिए, एमएसएमई ज्यादातर व्हाट्सएप और एक्सेल पर निर्भर हैं, इसलिए व्हाट्सएप का लाभ उठाने वाले अधिक एप्लिकेशन लाभकारी हो सकते हैं। वह इस उद्योग की काफी हद तक असंगठित प्रकृति और इसकी अनेक समस्याओं को संबोधित करने के लिए मल्टी-स्टेकहोल्डर एप्रोच की आवश्यकता पर जोर देते हैं।डिजिटल एमएसएमई यात्रा और के माध्यम से, पियूष एमएसएमई द्वारा सामना की जाने वाली तकनीकी, व्यावसायिक वृद्धि और कौशल विकास चुनौतियों को संबोधित करने के लिए पूरे भारत में काम करने का लक्ष्य रखते हैं।

उल्लासमय होगा छत्तीसगढ़, असाक्षरों के जीवन से मिटेगा अंधियारा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोंडागांव। उल्लास कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए स्त्रोत व्यक्तियों की राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें कोंडागांव जिले से राहुल कुमार शर्मा, शीतल गौतम स्त्रोत व्यक्ति के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त किया, जो जिले में कलेक्टर कुणाल दुदावत महोदय के नेतृत्व में जिला परियोजना अधिकारी वेणुगोपाल राव के मार्गदर्शन में साक्षरता के लिए कार्य करेंगे।

उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के क्रियान्वन हेतु दो दिवसीय स्त्रोत व्यक्तियों के प्रशिक्षण में एससीईआरटी व राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण के डायरेक्टर राजेंद्र कुमार कटारा ने कहा कि वयस्कों को पढ़ाते समय आने वाली चुनौतियों को समझने की आवश्यकता है। शिक्षार्थी अपने रोजमर्रा की चीजों से परेशान रहते हैं तथा स्वयंसेवी भी बेरोजगारी जैसी बातों से परेशान होते हैं अत: दोनों को प्रोत्साहन की अत्यंत आवश्यकता होती है। श्री कटारा ने कहा कि अपने आस-पास पड़ोस के

असाक्षरों को पढ़ाना चाहिए तथा हर व्यक्ति को स्वयंसेवी शिक्षक होना भी चाहिए। स्वयं सेवी शिक्षकों को सम्मानित करना चाहिए तथा उनके अच्छे कार्यों को चिन्हांकन करना चाहिए। स्वयंसेवी शिक्षक अपने घर व परिवार से शुरुआत करें, पहले परिवार फिर मोहल्ला तथा गांव इन छोटी इकाइयों से सफलता आना शुरू होता है। अतिरिक्त संचालक जे. पी. रथ ने कहा कि विद्यार्थी जब शाला आते हैं तो उनके बहुत सारे सपने होते हैं लेकिन वयस्कों को पढ़ाना बहुत ही मुश्किल होता है इनकी शिक्षण पद्धति बहुत अलग होती हैं तथा उनकी मनोदशा तथा मनोवृति भी अलग होती है। ये सम्मान के हकदार होते हैं तथा पढ़ाते समय उनके आत्म सम्मान को ठेस नहीं पहुंचना चाहिए। वे अनुभवी होते हैं ,बहुत सारी बुनियादी बातें पहले से ही जानते हैं हमें उन्हें केवल अक्षरों से जोड़ना है।

कार्यशाला में राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण के असिस्टेंट डायरेक्टर व उल्लास के नोडल अधिकारी प्रशांत पांडेय ने उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के लक्ष्य व उद्देश्यों पर विस्तारपूर्वक बताया, राज्य साक्षरता केंद्र के प्रभारी डेकेश्वर वर्मा व महासमुंद एवं रायपुर के डीपीओ तथा जिला स्तर के साक्षरता मिशन के अधिकारी उपस्थित हुए। प्रथम दिवस की कार्यशाला में स्वयंसेवी शिक्षकों को प्रेरित कैसे करें ?,स्वयं सेवी शिक्षकों की भूमिका, डीआरजी की भूमिका, कक्षा प्रबंधन और उल्लास प्रवेशिका कैसे पढाएं, भाषा एवं गणित पाठ योजना इत्यादि विषयों पर चर्चा हुई।

आगे धारा यादव के द्वारा प्रौढ़ मनोविज्ञान टॉपिक पर चर्चा करते हुए बताया की हमें प्रौढ़ शिक्षार्थियों के भावनाओं को समझते हुए उनको उल्लास केंद्र तक कैसे लाना है व कक्षा प्रबंधन पर विस्तृत जानकारी दी गई। प्रीति देशपाण्डे के द्वारा विषय वस्तु व पाठ योजना पर चर्चा की जिसमें शिक्षार्थियों को बेहतर पाठ योजना तैयार कर कैसे साक्षर करने पर चर्चा की। धारा बेन के द्वारा दीक्षा पोर्टल पर स्वयंसेवी शिक्षकों के मार्गदर्शिका व उल्लास प्रवेशिका को कैसे देखें व शिक्षार्थियों को कैसे सिखाएं की जानकारी दी।

बांग्लादेशी घुसपैठियों को पश्चिम बंगाल सीमा पर बीएसएफ ने रोका

सिलीगुड़ी (एजेंसी)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) की मदद से शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले में बांग्लादेश से लगती सीमा पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया।

सीमा सुरक्षा बल के एक प्रवक्ता के अनुसार, बीएसएफ को पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में भारत-बांग्लादेश सीमा पर लगभग 1,000 बांग्लादेशी नागरिकों के सीमा पर आने की बात पता चली, जो भारत में शरण लेने के इरादे से सीमा पर आ रहे थे।

प्रवक्ता ने कहा कि इन लोगों का पता चलने पर, बीएसएफ ने तुरंत इन बांग्लादेशी नागरिकों को वापस लेने के लिए बीजीबी से संपर्क किया। इसके बाद दोनों एजेंसियों की तरफ से यह सुनिश्चित किया गया कि सीमा पर शांतिपूर्ण तरीके से स्थिति नियंत्रित की जाए। कूचबिहार जिले के स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करके बीएसएफ की त्वरित कार्रवाई ने मुद्दे को हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बीएसएफ अधिकारी ने बताया कि यह ऑपरेशन बताता है कि बीएसएफ के जवान भारत की सीमाओं की सुरक्षा के लिए अटूट प्रतिबद्धता के साथ डटे हैं। इसके अलावा बीएसएफ मानवतापूर्ण तरीके से स्थिति को हल करने की कोशिश कर रहा है और 'अंतरराष्ट्रीय नियमों का सख्त पालन' करने के प्रति सजग है। बीएसएफ के पीआरओ के अनुसार, यह चुनौती बीएसएफ के लिए नई है। शेख हसीना को उनके प्रधानमंत्री पद इस्तीफा देने के बाद बांग्लादेश में फैली अशांति और हिंसक विरोध प्रदर्शन से पड़ोसी देश में फैली अस्थिरता के घटनाक्रमों को देखते हुए भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

एनटीपीसी कोरबा टाउनशिप में प्रगति के साक्षी सेल्फी पॉइंट का उद्घाटन किया

कोरबा। प्रदीप्त कुमार मिश्रा, क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक पश्चिम क्षेत्र-स्स्ट और अश , ने 3 अगस्त 2024 को एनटीपीसी कोरबा में प्रगति के साक्षी सेल्फी पॉइंट का उद्घाटन किया। यह नया जोड़ कोरबा की 1983 में स्थापना के बाद की अद्भुत वृद्धि और उपलब्धियों का उत्सव है। प्रदीप्त कुमार मिश्रा ने इस सेल्फी पॉइंट का उद्घाटन BUH कोरबा राजीव खन्ना, सभी GMs और एनटीपीसी कोरबा के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया। प्रगति के साक्षी सेल्फी पॉइंट प्लांट के दशकों की यात्रा और विकास का दृश्य प्रमाण है। इसमें एनटीपीसी कोरबा की उपलब्धियों और प्रगति को दर्शाने वाले विभिन्न डिस्प्ले और इंस्टॉलेशंस शामिल हैं।

खास खबर

चित्रकोट जलप्रपात से निकाला गया महिला का शव, दो दिन से थी लापता

जगदलपुर। शहर से 40 किमी दूर चित्रकोट जलप्रपात जो कि मिनी नियाग्रा के नाम से प्रसिद्ध है, वहां शनिवार की सुबह पानी के बीच एक शव को उतराता हुए देखा गया। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई, लेकिन पानी का बहाव ज्यादा तेज होने के कारण बिना सुरक्षा पुलिस पानी तक जा भी नहीं पा रही है, ऐसे में पुलिस विभाग की ओर से एसडीआरएफ टीम की मदद ली गई है। शनिवार रात होने के चलते शव नहीं निकाला जा सका, लेकिन रविवार की सुबह शव को निकाला गया। शव किसी महिला का था, उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

बताया जा रहा है कि बरसात के दिनों में चित्रकोट जलप्रपात की खूबसूरती देखते ही बनती है, ऐसे में इस खूबसूरती को देखने के लिए विदेश से भी लोग आते हैं। शनिवार को भी काफी संख्या में लोग इस मिनी नियाग्रा की खूबसूरती को निहार रहे थे, तभी अचानक से कुछ लोगों ने एक शव को पानी में उतराता देखा। इसके बाद आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। कुछ लोगों ने इस बात की जानकारी चित्रकोट थाना प्रभारी को दी।

चित्रकोट थाना प्रभारी प्रमोद सिन्हा ने बताया कि बूकी नाग (62) पत्नी स्वर्गीय वीर सिंह निवासी बेलर खालेपारा थाना बड़ाजी की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। दो दिन पहले घर से गायब हो गई थी। परिजन उनकी तलाश कर रहे थे, लेकिन कोई भी जानकारी नहीं मिल पा रही थी। जैसे ही महिला का शव बरामद हुआ परिजनों को बुलाया गया। महिला की शिनाख्त की गई।

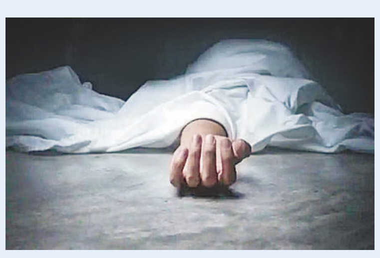

बीजापुर में युवती का शव मिलने से हड़कंप, जांच में जुटी पुलिस

बीजापुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के कन्हाईगुडा नाले के पास से पुलिस ने एक युवती का शव बरामद किया है। पुलिस युवती के मौत के कारणों की जांच में जुटी हुई है। कोतवाली थाना प्रभारी दुर्गेश शर्मा ने बताया कि नयापारा शिविर में रह रही युवती सरस्वती कड़ियामि उम्र 30 रोजाना रोपाई करने अपने खेत जाया करती थी।

शनिवार की सुबह भी वह अपने खेत रोपाई के लिए गई थी। लेकिन दोपहर तक वह वापस नहीं लौटी। इसके बाद युवती के पिता व भाई ने थाना आकर इस बात की सूचना दी। थाना प्रभारी शर्मा ने बताया कि सूचना के बाद टीम रवाना की गई। आसपास खोजबीन करने के बाद पुलिस को युवती का शव कन्हाई गुडा नाला के पास फंसा हुआ मिला। पुलिस ने वहां से शव बरामद कर लिया है। देर शाम होने से शव का पोस्टमार्टम नहीं हो पाया। शव जिला अस्पताल के मॉर्चुरी में रखा गया है। टीआई शर्मा ने बताया कि पुलिस मामले की तफ्तीश में जुटकर जांच कर रही है।

तेंदूपत्ता ठेकेदारों से वसूली कर नक्सलियों तक पहुंचाते थे रुपए, पुलिस की गिरफ्त में आए पांच बदमाश

मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी पुलिस को मिली बड़ी सफलता, नक्सलियों का सप्लाई चेन तोड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी पुलिस ने नक्सली सहयोगियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। नक्सलियों के वसूली में सम्मिलित पांच आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने एक करोड़ रुपये से ज्यादा की वसूली कर नक्सलियों को पहुंचाया था। टिकट बुक एवं नक्सलियों के सामान सप्लाई में इस पैसे का इस्तेमाल नक्सली सहयोगियों द्वारा किया जाता था। मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी पुलिस अधीक्षक कार्यालय में प्रेसवार्ता कर पूरे मामले का खुलासा किया गया।

पुलिस को लगातार मिल रही सूचना के आधार पर और पहले गिरफ्तार किए गए नक्सली सहयोगी सुरजू राम टेकाम के मामले में विवेचना के दौरान पुलिस को शहरी नेटवर्क और नक्सलियों के लेवी के मामले में जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस द्वारा पूरे मामले की जांच की जा रही थी। जांच में पता चला कि पांचों आरोपियों द्वारा नक्सलियों के तेंदूपत्ता ठेकेदारों को धमकाकर दिए गए पैसे जिन में वर्ष 2022 में एक करोड़ रुपये वसूलने का टारगेट में 60 लाख रुपये की वसूली की गई थी और अलग-अलग बैंक खातों में इसे जमा किया गया था। रुपये नकद निकालकर नक्सलियों को पहुंचाए गये थे।

नक्सलियों को पहुंचाते थे राशन दवाई व अन्य समान

मामले में पुलिस ने जांच पड़ताल की और पांच आरोपियों को इस पूरे मामले में गिरफ्तार किया है। कई वर्षों से नक्सलियों से मिलकर ठेकेदारों से वसूली कर आरोपियों द्वारा नक्सलियों को राशन दवाई व अन्य जरूरत की सामग्रियां सप्लाई की जाती थी, जिसमें पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। आरोपियों द्वारा नक्सली सहयोगी के रूप में काम किया जा रहा था। साथ ही नक्सली सहयोगी सुरजू राम टेकाम के लेवी के पैसे से फ्लाइट टिकट बुक और नक्सलियों को सामान सप्लाई के लिए इन पैसों का इस्तेमाल किया जा रहा था, जिसके बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ।

पांचों आरोपी नक्सलियों के सहयोगी

आईजी दीपक कुमार झा ने पूरे मामले का खुलासा करते हुए, बताया कि पांचो आरोपी नक्सलियों के सहयोगी के रूप में काम कर रहे थे और तेंदूपत्ता ठेकेदारों से वसूली कर राशि नक्सलियों तक पहुंचाने का काम कर रहे थे, जिन्हें गिरफ्तार किया गया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। साथ ही अन्य फाइनेंशियल ट्रेड एवं इलेक्ट्रॉनिक एवं अन्य दस्तावेजों का विश्लेषण भी पुलिस द्वारा किया जा रहा है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में सोनाराम फरसा, विजय, रामलाल करमा, राजेंद्र कड़ती यह चारों बीजापुर जिले के रहने वाले हैं। विवेक सिंह मानपुर वर्तमान रायपुर का रहने वाला है, जिसे गिरफ्तार किया गया है। इसमें गिरफ्तार एक आरोपी राजेंद्र कड़ती का बड़ा भाई कुख्यात नक्सली कमांडर भैरमगढ़ क्षेत्र है। उक्त सभी कई सालों से नक्सलियों से मिलकर ठेकेदारों से लेव्ही वसूली, नक्सलियों को राशन, दवाई व अन्य जरूरत की सामाग्री का सप्लाई कर रहे थे।

2022 में एक करोड़ की लेवी वसूलने का दिया गया था टारगेट

नक्सलियों के द्वारा भैरमगढ़ क्षेत्र में तेंदूपत्ता ठेकेदारों को जान-माल नुकसान पहुंचाने की धमकी देकर सोनाराम फरसा, विजय जुर्री, रामलाल करमा और राजेंद्र कड़ती के माध्यम से लेव्ही वसूली की जा रही थी। इन चारों को वर्ष 2022 में एक करोड़ रुपए लेव्ही वसूलने का टारगेट दिया गया था। जिसके लिए भैरमगढ़ क्षेत्र में तेंदूपत्ता ठेकेदार से जंगल क्षेत्र में काम करने के एवज में नक्सलियों ने सोनाराम फरसा, विजय जुर्री, रामलाल करमा और राजेंद्र कड़ती की सहायता से ठेकेदार को जान-माल नुकसान पहुंचाने का धमकी देकर करोड़ो रुपयों की लेव्ही वसूली किए। सोनाराम फरसा, विजय जुर्री, रामलाल करमा, राजेंद्र कड़ती ने अपने बैंक अकाउंट के माध्यम से लेव्ही के तकरीबन 60 लाख रुपए प्राप्त किए और बाद में बैंक से नगदी निकालकर नक्सलियों को पहुंचाने का कार्य करते थे। अभी तक एक करोड रुपये से अधिक राशि नक्सलियों को पहुंचाई गई है। शहरी नेटवर्क के रूप में भी काम किया जा रहा था।

नक्सलियों का शहरी नेटवर्क, ऑनलाइन करते थे रुपए ट्रांसफर

उक्त मामले में भैरमगढ़ क्षेत्र के निवासी सोनाराम फरसा, विजय जुर्री, रामलाल करमा और राजेंद्र कड़ती ने ठेकेदार से नक्सलियों के लिए लेव्ही वसूली आनलाईन बैंक खाते के माध्यम से किए और बैंक से नगदी निकालकर नक्सलियों तक पहुंचाए। उक्त सहयोगियों के द्वारा माओवादियों के आदेश पर शहरी नेटवर्क को सपोर्ट करने के लिए नक्सल संगठन के शहरी सदस्यों के यात्रा एवं अन्य खर्चों के लिए आनलाईन पैसे ट्रासफर करते थे। जिसके तहत सूरजू राम टेकाम के यात्रा हेतु लेव्ही का रुपए पैसे दिया गया । मामले में विवेचना जारी है एवं आगे और भी संलिप्तता की जानकारी के लिए फायनेंशियल ट्रेल एवं इलेक्ट्रानिक एवं अन्य दस्तावेजों का विश्लेषण किया जा रहा है।

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर ठगी, रायपुर पुलिस ने शातिर ठग को दिल्ली से दबोचा

- रायपुर में डॉक्टर से की थी 3 करोड़ की ठगी,
- शातिर के खिलाफ देशभर के 50 से ज्यादा थानों में दर्ज हैं मामले

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर पुलिस ने करोड़ों की ठगी करने वाले शातिर ठग को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। आरोपी ने रायपुर के एक डॉक्टर को शेयर ट्रेडिंग के नाम पर लगभग 3 करोड़ रुपए का चूना लगाया। शिकायत मिलने पर पुलिस ने आरोपी की पतासाजी की और लंबे प्रयास के बाद आरोपी को दिल्ली से गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ अलग अलग राज्यों के कुल 50 से अधिक पुलिस थानों व साइबर सेल में रिपोर्ट दर्ज है।

बता दें प्रार्थी प्रोफेसर डॉ. डी सुनील एम एस, एमसीएचऑर्थो (यूके) (48) निवासी पंडरी रायपुर ने अपनी शिकायत में बताया कि शेयर ट्रेडिंग में मुनाफा कमाने के नाम से उनसे 2.92 करोड़ रुपए की ठगी हो गई। पुडरी पुलिस ने इस मामले में धारा 420,34 भादवि पंजीबद्ध किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए उक्त अपराध की विवेचना रेंज साइबर थाना, रेंज रायपुर को सौंपी गई थी।

पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा द्वारा रेंज साइबर थाना रेंज रायपुर की टीम को तकनीकी साक्ष्य एकत्र कर आरोपियों को गिरफ्तार करने के संबंध में निर्देश दिया गया। निर्देसानुसार कार्रवाई करते हुए विवेचना क्रम में आरोपियों द्वारा उपयोग किए जा रहे बैंक खातों एवं मोबाइल नंबरों की जानकारी प्राप्त की गई। दिल्ली निवासी आरोपी अंकित सिंह द्वारा पता बदल कर फर्जी कम्पनी बनाकर कर विभिन्न बैंकों में खाता खुलवाकर अपने अन्य साथी की सहायता से उक्त बैंक खातों में प्रार्थी से रकम जमा करवाने की जानकारी मिली। इन बैंक खातों में अलग अलग राज्यों के 50 से अधिक पुलिस थाना एवं साइबर सेल मे रिपोर्ट दर्ज है। इसके बाद पुलिस की टीम ने दिल्ली में दबिश देकर आरोपी अंकित सिंह को गिरफ्तार किया और को शनिवार को न्यायिक अभिरक्षा के लिए भेजा गया है।

नक्सलियों ने ग्रामीण का रेता गला, डर से महिला ने लगाई फांसी

नक्सलियों ने 18 लोगों के नाम भेजा मौत का फरमान

सुकमा। जिले के नागाराम में शनिवार रात नक्सलियों ने पुलिस मुखबिरी के शक में एक ग्रामीण की गला रेतकर हत्या कर दी। वहीं, दूसरी ओर नक्सलियों के डर के चलते महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि उप सरपंच हेमला सुकला अपने परिजनों के साथ घर में मौजूद था। उसी समय रात को दो नक्सली घर आ पहुंचे और उप सरपंच पुलिस के लिए मुखबिरी का काम करने की बात कहते हुए गला रेतकर उसकी हत्या कर दी।

नक्सलियों के द्वारा उप सरपंच की हत्या किए जाने की बात का पता चलते ही पटेलपारा निवासी हेमला सन्नी ने अपने घर के अंदर ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि नक्सलियों के द्वारा गांव में 18 से अधिक पुलिस कैंप खोले जाने के साथ ही 18 ग्रामीणों के नाम से नक्सली पर्चा जारी किया गया है, जिसमें इस बात का जिक्र किया गया है कि इन सभी 18 लोगों को मौत की सजा सुनाई गई है। वहीं, इस घटना को केरलापाल कमेटी के द्वारा अंजाम दिए जाने की बात का भी उल्लेख किया गया है।

वहीं, इस मामले में सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि नक्सलियों ने जिस ग्रामीण की हत्या की है, उसे वर्ष 2007 में सलवा जुडूम में काम करने का आरोप लगाते हुए हत्या करने की बात सामने आई है। मृतक के परिजनों से पूछताछ की जा रही है कि आखिर कारण क्या है। वहीं, महिला के आत्महत्या करने के मामले की जांच की जा रही है। मृतक किसी भी प्रकार से पुलिस के लिए कोई काम नहीं करता था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

डोमिनोज पिज्जा में खाद्य विभाग का छापा, एक ही जगह पर वेज-नॉनवेज फूड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी के तेलीबांधा स्थित डोमिनोज पिज्जा आउटलेट में खाद्य विभाग की टीम ने छापेमारी की। पिज्जा आउटलेट में वेज-नॉनवेज एक ही जगह पर रखे मिले। अधिकारियों ने जांच के बाद आउटलेट को नोटिस जारी किया है। 4 दिन के अंदर वेज-नॉनवेज स्टोरेज और प्रिपरेशन एरिया को अलग करने कहा है। पिज्जा तैयार करने वाले सॉस का सैंपल कलेक्ट कर जांच के लिए भेजा गया है।

दरअसल, शुक्रवार को तेलीबांधा स्थित डोमिनोज़ पिज्जा का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें युवक और डोमिनोज पिज्जा में काम करने वाले कर्मियों के बीच बहस हो रही थी।

युवक ने वेज पिज्जा ऑर्डर दिया, लेकिन उसे नॉनवेज पिज्जा दे दिया गया।

इस दौरान गलती होने के बावजूद डॉमिनोज पिज्जा में काम करने वाले कर्मचारी से अपनी गलती मानने को तैयार नहीं थे और बहस कर रहे थे। इसलिए युवक ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद शिकायत कलेक्टर तक पहुंची। उन्होंने अफसरों को मौके पर जाकर जांच करने के आदेश दिए। शिकायत सही पाई गई। इसके बाद आउटलेट मालिक को नोटिस जारी किया गया है। वीडियों वायरल होने के बाद खाद्य एवं औषधि नियंत्रक विभाग के डिप्टी कमिश्नर डॉ. अजय शंकर कनौजिया कार्रवाई करने पहुंचे। साथ ही खाद्य सुरक्षा अधिकारी सिद्धार्थ पांडे, एहसान तिग्गा, साधना चंद्राकर के संयुक्त दल ने निरीक्षण किया, जिसमें शिकायत सही पाई गई। वेज-नॉनवेज स्टोरेज एरिया और स्टोरेज अलग नहीं बनाया गया है।

बिलासपुर में प्लास्टिक की पिस्तौल दिखाकर दंपति से लूट

- सरंकड़ा थाना क्षेत्र का मामला, 24 घंटे में पकड़ाए बदमाश

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ की न्यायधानी बिलासपुर में बदमाशों ने प्लास्टिक की नकली पिस्तौल दिखाकर दंपति को लूट का शिकार बनाया। बदमाशों ने नकली पिस्तौल टिकाकर दंपति के घर में घुसकर वारदात को अंजाम दिया। इस दौरान सोने का लॉकेट, सोने का गेंहूदाना, मोतीदाना लूटकर भाग गए। इस मामले में दंपति की शिकायत पर पुलिस ने तत्काल बदमाशों की तलाश शुर की। 24 घंटे के भीतर पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार को सरकण्डा थाने पहुंचकर प्रार्थिया शालिनी देवांगन निवासी भूमि विहार ग्राम बिजौर ने रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताय कि कि तीन अज्ञात व्यक्ति दोपहर करीब 2 बजे उनके भूमि विहार स्थित घर में घूसकर उनको पिस्तौल अड़ाकर उनसे 2 मंगल सूत्र एवं अंगूठी करीब 18 ग्राम लूट कर फरार हो गये हैं। घटना की गंभीरता को देखते हुये घटना के संबंध मे तत्काल पुलिस अधीक्षक महोदय बिलासपुर रजनेश सिंह (भापुसे) को अवगत कराया गया। इसके बाद सरकण्डा पुलिस की टीम के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर घटना स्थल निरीक्षण कर क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगाला।

सरकण्डा पुलिस के द्वारा अलग-अलग टीम बनाकर अज्ञात आरोपियों के भागने के संभावित रूट पर लगभग 100 सीसीटीवी कैमरों का निरीक्षण किया गया। साथ ही क्षेत्र के गुण्डा व निगरानी बदमाशों को तस्दीक करने पर सरकण्डा पुलिस टीम को घटना के संबंध में आवश्यक व अहम सुराग मिला। जिसके आधार पर संदेही आदतन बदमाश बाबू ईरानी एवं उसके साथी सुभाष निषाद व शिवराम यादव को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

पूछताछ में तीनों ने उक्त लूट की घटना को अंजाम देन स्वीकार किया। आरोपियों ने बताया कि लूट का माल आपस में बांट लिए। आरोपियों के मेमोरण्डम के आधार पर लूट का शत प्रतिशत माल 2 सोने का लॉकेट 10 नग सोने का गेहूं दाना एवं 8 नग सोने का मोतीदाना एवं 1 नग अंगूठी बरामद किया गया। आरोपियों द्वारा घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल क्रमांक छत्र 10 क्ष्ट 8709 एवं प्लास्टिक का नकली पिस्टल बरामद किया गया। सम्पूर्ण कार्रवाई में निरीक्षक तोप सिंह नवरंग, उप निरीक्षक कृष्णा साहू, एएसआई देवेन्द्र तिवारी, एएसआई दिनेश तिवारी, प्रधान आरक्षक प्रमोद सिंह, आरक्षक राकेश यादव, विकास यादव, विवेक राय, संजीव जांगड़े, इमरान अली, मणीशंकर मिश्रा की अहम भूमिका रही।

सहेलियों के साथ बाजार से घर जा रही बालिका को जंगल में ले जाकर युवकों ने किया दुष्कर्म

- भानपुरी थाना क्षेत्र का मामला, सभी आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। भानपुरी थाना क्षेत्र के मुरकुची गांव में चार युवकों ने बाजार से घर जा रही एक नाबालिग लड़की को जबरदस्ती उठाकर ले गए। युवकों ने उसके साथ अनाचार किया गया। पीड़िता मामले की तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि भानपुरी में साप्ताहिक बाजार लगा हुआ था। अलग-अलग गांवों से लोग बाजार में खरीददारी करने आये थे। एक नाबालिग लड़की भी अपनी सहेलियों के साथ

बाजार में खरीददारी करने के लिए गई थी। खरीददारी करने के बाद नाबालिग अपनी सहेलियों के साथ पैदल घर जा रही थी, तभी गांव के चार लड़कों ने उसे पकड़ लिया। इसमें एक नाबालिग व तीन रमेश ठाकुर, पीला भद्रे और दुलार भद्रे शामिल थे।

बताया जा रहा है कि चारों लड़के दो बाइकों पर सवार थे। नाबालिग को देखकर उसे रोक लिया। इसके बाद उसे उठाकर मुरकुची जंगल ले गए। जंगल में लड़कों ने नाबालिग लड़की के साथ अनाचार किया। घटना की जानकारी पीड़िता ने अपने परिजनों को दी। इसके बाद मामले की रिपोर्ट भानपुरी थाना में दर्ज कराई गई। तहरीर की आधार पर पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

भिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान
निखार
बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस

फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में
रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री साय को भेजा आमों का टोकरा, सीएम साय ने पत्र लिखकर जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उपहार में काकोरी आमों की टोकरी पाकर उन्हें पत्र लिखकर हृदय से धन्यवाद प्रेषित करते हुए कहा है कि यह उपहार पाकर मैं अत्यंत भावुक और अभिभूत हूं। मुख्यमंत्री साय ने योगी आदित्यनाथ को लिखे पत्र में कहा है कि आपके मधुर संदेश के साथ मुझे प्राप्त हुए काकोरी आमों का स्वाद अत्यंत ही मधुर है।

सीएम साय ने कहा- इन आमों में बसी हैं भगवान श्री राम की यादें

प्रतीकात्मक चित्र

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि उत्तर प्रदेश की पहचान आमों से भी है और महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों से भी।

उन्होंने कहा कि उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन दोनों पहचानों को एकाकार करते हुए जो अद्भुत पहल की है, वह प्रेरक है। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को सम्मान देने का यह श्रेष्ठ तरीका है। इससे हम अपने महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों से भावनात्मक जुड़ाव स्थापित करते हुए उस महान संग्राम की यादों को अपने सबसे प्रिय क्षणों में शामिल कर सकेंगे।

सीएम साय ने पत्र में उल्लेख किया है कि ऐतिहासिक रूप से भी उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ भावनात्मक रूप से हमेशा जुड़े रहे हैं। उत्तर कोसल और दक्षिण कोसल के रूप में पहचाने वाले दोनों भू-भागों के निवासीगण राजा राम की ही प्रजा रहे हैं। प्रभु श्रीराम की माता कौशल्या ने छत्तीसगढ़ में जन्म लिया और भगवान श्री राम का जन्म अयोध्या में हुआ। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम जब भी अयोध्या से छत्तीसगढ़ ननिहाल आते रहे होंगे, तब उनके साथ रसीले आमों के टोकरे भी जरूर आते रहे होंगे, तभी छत्तीसगढ़ के आमों में भी ऐसा ही स्वाद है। वनवास के समय यहां के आम हमारे रामलला को वहां के आमों की अवश्य याद दिलाते रहे होंगे।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काकोरी आमों के साथ छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री साय को भेजे गए पत्र में उत्तरप्रदेश में आमों के प्रचुर उत्पादन और वहां की लोकप्रिय प्रजातियों का विस्तार से उल्लेख किया है। उन्होंने बताया है कि स्वतंत्रता संग्राम का साक्षी रहा काकोरी आम उत्पादन का भी प्रमुख केंद्र है। उत्तर प्रदेश सरकार ने आमों का विपणन काकोरी ब्रांड के नाम से शुरू किया है।

मुख्यमंत्री साय की पहल से पुनः 2 लोगों को मिली अनुकंपा नियुक्ति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव के सुशासन में त्वरित एवं संवेदनशील पहल से गरियाबंद जिले के 2 लोगों को अनुकंपा नियुक्ति मिली है। जिला प्रशासन श्रीमती बबली विश्वकर्मा एवं भामिनी दीवान को अनुकंपा नियुक्ति सौंपकर निष्ठा एवं लगन से शासकीय सेवा करने की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। पति के निधन पश्चात परिवार के भरण पोषण के लिए चिंतित दोनों महिलाओं की समस्या दूर हो गई है।

शासन के सहयोग से मिले अनुकंपा नियुक्ति के फलस्वरूप अब उनके बच्चों की पढ़ाई लिखाई एवं देखरेख की भी चिंता दूर हो गई है। दोनों को भृत्य पद पर नियुक्ति दी गई है। श्रीमती बबली को शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल परसदाकला एवं श्रीमती भामिनी को शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल छुरा में पोस्टिंग दी गई है। प्रशासन की त्वरित कार्रवाई के द्वारा अनुकंपा नियुक्ति मिलने से आज दोनों महिलाओं के परिजनों ने खुशी जताते हुए मुख्यमंत्री एवं जिला प्रशासन के प्रति अपना आभार जताया। अनुकंपा नियुक्ति मिलने के बाद उन्होंने कहा कि राज्य शासन की नीति के तहत त्वरित पहल से नौकरी मिल गई है। जिससे आर्थिक समस्याओं को दूर करने एवं परिवार के पालन पोषण में सहायक होगी।

शासन के प्रावधानों के तहत गरियाबंद जिले के कलेक्टर श्री दीपक अग्रवाल ने अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों को तेजी से निराकृत करने के निर्देश दिये हैं। इसी के तहत अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों को तेजी से पूर्ण किया जा रहा है। आज अनुकंपा नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाली फिंगेश्वर निवासी श्रीमती बबली विश्वकर्मा ने बताया कि उनके पति शिक्षक के रूप में सेवारत थे। उनके निधन के बाद परिवार चलाना मुश्किल हो गया था। बच्चों के भविष्य को लेकर चिंता रहती थी। उन्होंने बताया कि अनुकंपा नियुक्ति मिलने से परिवार के पालन पोषण एवं देखरेख में सहायता मिलेगी, साथ ही भविष्य भी सुरक्षित रहेगा। इसी प्रकार छुरा विकासखंड के ग्राम अकलवारा की रहने वाली श्रीमती भामिनी दीवान के पति भी शिक्षा विभाग में पदस्थ थे। उनके निधन के पश्चात उन्हें भृत्य के रूप में नियुक्ति मिली है। उन्होंने बताया कि पति के जाने के बाद भविष्य चिंतित था। शासन की पहल से अनुकंपा नियुक्ति मिलने से परिवार के खुशहाली में मदद होगी।

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में आज फिर जरूरतमंदों को प्रदाय किया गया श्रवण यंत्र

रायपुर। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया में दो जरूरतमंदों को श्रवण यंत्र प्रदाय किया गया। तहसील फरसाबहार की सुमित्रा यादव कान से कम सुनाई देने और ग्राम टाटीडांड़, तहसील कांसाबेल के लालजीत भगत श्रवण यंत्र की मांग को लेकर मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में आवेदन किया था। कैंप कार्यालय में उनकी समस्या का तत्काल संज्ञान लेते हुए श्रवण यंत्र प्रदाय किया गया। श्रवण यंत्र मिलने पर उन्होंने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा की अब उन्हें सुनने में कोई परेशानी नहीं होती है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के द्वारा आम लोगों की समस्या के समाधान के लिए संचालित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया किसी वरदान से कम नहीं है। जशपुर जिले के तहसील फरसाबहार की सुमित्रा यादव जन्म से कान से ही कम सुनाई देने की समस्या से पीड़ित थी, जिसमें उन्हें अपने दैनिक जीवन के क्रियाकलापों में काफी परेशानी होती थी। वे अपनी इस समस्या के समाधान के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय कैंप पहुंची। कैंप कार्यालय में उनकी समस्या का तत्काल संज्ञान लेते हुए उन्हें श्रवण यंत्र प्रदान किया गया। श्रवण यंत्र मिलने से अपनी खुशी जाहिर करते हुए वे बताती हैं कि उन्हें अब सुनने में कोई परेशानी नहीं होती है। इसी तरह ग्राम टाटीडांड़, तहसील कांसाबेल के लालजीत भगत मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में श्रवण यंत्र मिलने से काफी खुश हैं। वे बताते हैं कि उनके पहले का श्रवण यंत्र खराब होने के कारण देना बंद हो गया था। श्रवण यंत्र के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में आवेदन किया। कैंप कार्यालय में उनकी समस्या का संज्ञान लेते हुए तुरंत श्रवण यंत्र दिया गया है। श्रवण यंत्र मिलने पर वे अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहते हैं कि अब उन्हें सुनने में कोई परेशानी नहीं होती है।

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं: उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि जीवन में सफलता के लिए कोई शॉर्टकट रास्ता नहीं होता, कभी भी सफलता के लिए शॉटकट रास्ता ढूंढ़ने की कोशिश नहीं करनी चाहिए, जो हम अपने प्रारबद्ध को बदल नहीं सकते हैं। लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लगन और ईमानदारी के साथ उस दिशा में लग जाना चाहिए। कड़ी मेहनत से ही जीवन में आगे बढ़ा जा सकता है, सफलता हासिल की जा सकती है, जबकि मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता है।

उन्होंने कहा कि मुकाम प्राप्त करने के बाद बैठ जाना की सफलता नहीं कहा जा सकता, बल्कि उस विषय में दक्षता और महारथ हासिल होना चाहिए। साथ ही उस लक्ष्य को पाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा आज पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय परिसर स्थित सभाकक्ष में आयोजित शहीद चंद्रशेखर आजाद हॉस्टल डे को सम्बोधित कर रहे थे। गौरतलब है कि उपमुख्यमंत्री शर्मा भी इस हॉस्टल में रहकर अध्ययन किए हैं। उपमुख्यमंत्री बनने के बाद पहुंचे शर्मा को आजाद हॉस्टल के छात्रों सहित परिसर स्थित अन्य हॉस्टल के छात्र-छात्राओं ने उल्लासपूर्वक उनका अभिनंदन किया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने पूर्व छात्रों, अधीक्षकों, प्रोफेसरों तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले छात्रों तथा कर्मचारियों को सम्मानित किया। छात्रावास के छात्र-छात्राओं द्वारा उपमुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

उपमुख्यंत्री श्री विजय शर्मा ने छात्रावास डे को सम्बोधित करते हुए कहा कि जीवन में सबकुछ योजना के मुताबिक हो, ऐसा सम्भव नहीं हो पाता, लेकिन हमें लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए योजना बनाकर मंजिल को प्राप्त करने की दिशा में हरसंभव प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अपने संस्कार और परंपरा को नहीं भुलना चाहिए। बड़ों के प्रति सम्मान और संस्कार से हम जीवन में आगे बढ़ सकते हैं, सफलता हासिल कर सकते हैं। उन्होंने सभी हॉस्टल छात्र-छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। इस मौके पर सांस्कृतिक संध्या का आयोजन भी किया गया।

कार्यक्रम में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सच्चिदानंद शुक्ल, राज्य सूचना आयोग के सचिव गोपाल वर्मा, कुलसचिव शैलेन्द्र पटेल, डॉ. रविन्द्र मिश्र, डॉ. एम.एल. नायक सहित बड़ी संख्या में पूर्व छात्र तथा विभिन्न हॉस्टल के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

हर घर तिरंगा अभियान, युवाओं और बच्चों ने निकाली रैली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शासन के निर्देशानुसार 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत 9 से 15 अगस्त तक राज्य में स्वतंत्रता सप्ताह मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज रायगढ़ जिले के ग्राम छींच में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

इस कार्यक्रम के दौरान गांव के युवाओं और बच्चों ने एक रैली निकाली और स्व-सहायता समूह की दीदियों ने मानव श्रृंखला बनाकर तिरंगे का सम्मान किया।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों, युवाओं, और बच्चों को स्वतंत्रता सेनानियों और वीर सपूतों की भावनाओं का सम्मान करने और देश की प्रगति के लिए समर्पित रहने की शपथ दिलाई। उन्होंने ग्रामीणों को तिरंगा झंडा वितरित किया और इसे घर में सम्मानपूर्वक लगाने का आग्रह किया।

मंत्री श्री चौधरी ने इस अवसर पर कहा, भारतीय को 'हर घर तिरंगा' अभियान से जुड़ना चाहिए और स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मान देना चाहिए। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे जिले में आयोजित होने वाले महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लें और इस अभियान को सफल बनाएं। ग्रामवासियों ने भी इस मौके पर वित्त मंत्री चौधरी को तिरंगा प्रतीक प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कोसारटेडा सिंचाई जलाशय में ईको-टूरिज्म रिसॉर्ट का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप ने कहा है कि बस्तर का प्राकृतिक सौंदर्य और प्राकृतिक स्थल बहुत रमणीय है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार द्वारा बस्तर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए होम स्टे, कैंपिंग और ईको पर्यटन की सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। इसी कड़ी में कोसारटेडा जलाशय परिसर में भी ईको-टूरिज्म हब के रूप में विकास हेतु आज रिसॉर्ट का भूमिपूजन किया गया है। बस्तर जिले में कोसारटेडा सिंचाई जलाशय को अब ईको-टूरिज्म हब के रूप में विकसित किया जा रहा है।

इससे यहाँ के महिला स्व-सहायता समूहों और ग्रामीण युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेगा। वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि बस्तर अपनी अप्रतिम सौंदर्य के लिए विश्व प्रसिद्ध रहा है इसलिए बस्तर में सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। संभाग में कई जलप्रपात है जिनको पर्यटन नक्शे में जोड़ने की पहल की जा रही है।

वन मंत्री कश्यप ने शनिवार को कोसारटेडा सिंचाई जलाशय में 3 करोड़ 51 लाख रुपए की लागत से विकसित की जा रही ईको-टूरिज्म रिसोर्ट का भूमिपूजन किया। कार्यक्रम में मंत्री श्री केदार कश्यप ने इको रिसोर्ट के मुख्य द्वार निर्माण हेतु राशि 25 लाख, इको रिसोर्ट के चारों ओर टो वॉल के निर्माण हेतु 01 करोड़, अप्रोच रोड के दोहरीकरण, प्रशासनिक भवन के जीर्णोद्धार हेतु 50 लाख, रिसोर्ट के विकास हेतु रिसोर्ट के आसपास उपलब्ध अन्य विभागों के स्वामित्व की शासकीय भूमि को जल संसाधन विभाग को हस्तांतरित करने और हाईमास्ट लाइट हेतु 25 लाख रूपए की स्वीकृति दी गई है।

कार्यक्रम में बस्तर सांसद महेश कश्यप ने कहा कि कोसारटेडा जलाशय बनवाने के लिए स्वर्गीय श्री बलीराम कश्यप ने अथक प्रयास किया, जलाशय से क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा बढ़ी, अब यह पर्यटन के केंद्र के रूप में विकास किया जाएगा। सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लोगों को लाभ मिल रहा है। कार्यक्रम को जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, पूर्व सांसद दिनेश कश्यप ने भी संबोधित किया। बस्तर कलेक्टर विजय दयाराम के. ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कोसारटेडा जलाशय बस्तर-नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र में सिंचाई सुविधा के लिए जाना जाता था अब ईको-टूरिज्म पर्यटन के रूप में भी इसे नई पहचान मिलेगी। बस्तर जिला में पहले पर्यटन के रूप में चित्रकोट, तीरथगढ़, कुटुमसर गुफा की ख्याति थी इसमें अब कोसारटेडा ईको-टूरिज्म भी अलग पहचान दिलाएगी। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री मनीराम कश्यप, जनपद अध्यक्ष श्रीमती टिकेश्वरी मंडावी, सरपंच सालेमेटा फरसू बघेल अन्य जनप्रतिनिधि सहित सीसीएफ आरसी दुग्गा, वन मण्डलाधिकारी उत्तम गुप्ता, जल संसाधन विभाग के भंडारी, वेद पांडेय सहित ग्रामीणजन उपस्थित थे। कार्यक्रम में अतिथियों ने एक पेड़ माँ के नाम के तहत वृक्षारोपण किया और ग्रामीणों को पौध वितरण किए।

बस्तर जिले की कोसारटेडा मध्यम बहुउद्देश्यीय सिंचाई जलाशय परियोजना में सिंचाई के साथ ईको-टूरिज्म हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। करीब 03 करोड़ 51 लाख रुपए की लागत से निर्मित किये जा रहे कोसारटेडा जलाशय में ईको-टूरिज्म रिसोर्ट एवं अन्य पर्यटक सुविधाओं के जरिए बस्तर को नई पहचान मिलेगी। शासन की मंशानुरूप कोसारटेडा जलाशय ईको-टूरिजम हब के संचालन में स्थानीय मातृ-शक्ति महिला स्व-सहायता समूहों की व्यापक सहभागिता के साथ ही युवाओं और ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

सुविधाओं का होगा विस्तार

कोसारटेडा ईको टूरिस्ट रिसोर्ट में मुख्य तौर पर 06 नेचुरल बम्बू कॉटेज, 04 लक्जरी विला टेंट, एक बम्बू से निर्मित रेस्टोरेंट, बच्चों के लिए चिल्ड्रन पार्क, एडवेंचर रोप कोर्स, वॉटर स्पोर्ट्स सुविधाएं सहित पूरे ईको-टूरिज्म हब इलाके को आकर्षक बनाने के लिए गार्डन डेवलपमेंट, बम्बू गजेबो, लैंड स्केपिंग, लॉन ग्रास वर्क, सीमेंट आर्ट वर्क, स्टेच्यू इत्यादि कार्यों के साथ ही एप्रोच रोड एवं पार्किंग स्थल भी निर्मित किया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950